सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
मूल्य ₹ 3/-
www.4pm.co.in · www.facebook.com/4pmnewsnetwork · @Editor_SanjayS · YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्षः 11 ● अंकः 63 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, सोमवार, 7 अप्रैल, 2025

आगे बढ़ने के लिए जीवन में उतार-चढ़ाव बहुत जरूरी हैं, क्योंकि ईसीजी में भी एक सीधी लाइन का मतलब होता है कि हम जिंदा नहीं हैं।

–रतन टाटा

जीत की पटरी पर लौटने उतरेंगी... 7 | बंगाल चुनाव में अभी एक साल... 3 | 'यूपी में पुलिस ही पुलिस पर... 2

भगवा राजनीति के जवाब में राहुल की व्हाइट पॉलिटिक्स

» बिहार के बेंगूसराय से राहुल गांधी की सफेद क्रांति की शुरुआत

» बिहार में सिर्फ सफेद ही सफेद, राहुल की पदयात्रा में शामिल युवाओं ने पहनी सफेद टीशर्ट

» अमित शाह के बिहार दौरों के जवाब में राहुल गांधी की पदयात्रा

» बांध दिया समा, नीतीश सरकार को चुनौती, बिहार में नौकरी दो पलायन रोको

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। जैसे-जैसे विधानसभा चुनाव नजदीक आते जा रहे हैं बिहार में राजनीतिक हलचल तेज हो गयी है। भारतीय जनता पार्टी भाजपा और कांग्रेस दोनों ही बिहार में अपने-अपने राजनीतिक एजेंडे और रणनीतियों के साथ मैदान में उतर चुके हैं। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह बिहार के कई दौरे कर चुके हैं उनके दौरों का जवाब देने के लिए आज राहुल गांधी भी बिहार पहुंचे और दो किलोमीटर की पदयात्रा कि। राहुल गांधी ने आज की पदयात्रा में युवाओं से सफेद टीशर्ट पहन कर आने की अपील की। उनकी इस अपील को भगवा पालिटिक्स के जवाब के तौर पर देखा जा रहा है। यानि राहुल गांधी ने बिहार चुनाव से व्हाइट पॉलिटिक्स की शुरूआत कर दी है। व्हाइट रंग को शांति, समावेशिता और स्वच्छता का प्रतीक माना जाता है। यही नहीं राहुल गांधी ने नीतिश सरकार को घेरते हुए पलायन रोको और रोजगार दो जैसे नारों के जरिये बिहार के युवाओं को मथ देने का काम किया।

कमजोर हुए नीतीश

बिहार के सीएम नीतीश कुमार जो कि सामाजिक न्याय और धर्मनिरपेक्षता के पोस्टर ब्वाय माने जाते रहे हैं कि स्थिति चुनाव से पहले कमजोर हो गयी है। कुछ दिन पहले पारित वक्फ संशोधन बिल से बिहार का मुस्लमान इनसे नाराज है। बिहार में 17 फीसदी मुस्लमान है और जदयू के परम्परागत वोटर। नीतिश इस बिल के बाद एक राजनीतिक संकट में घिर गए हैं। उनके लिए न तो इसका खुला विरोध करना आसान है और न ही इसका समर्थन करना। क्योंकि यदि वह इस बिल का विरोध करते है तो इससे केन्द्र सरकार के साथ उनके संबंध बिगड़ सकते हैं। और न ही खुलकर समर्थन कर रहे हैं क्योंकि यदि वह ऐसा करते है तो अल्पसंख्यक वोट बैंक खिसक सकता है। यही दुविधा उनके नेतृत्व की कमजोरी के रूप में देखी जा रही है।

अमित शाह बनाम राहुल गांधी में किसकी रणनीति भारी?

राहुल गांधी की आज की पदयात्रा ने भारत जोड़ो यात्रा के अगले चरण को बिहार की धरती से जोड़ कर जनसंपर्क बढ़ाने का काम किया। वह बेंगूसराया में एनएसयूआई प्रभारी कन्हैया कुमार की चल रही नौकरी दो पलायन रोको पदयात्रा में दो किलोमीटर से ज्यादा पैदल चले। उन्होंने युवाओं से अपनी आवाज बुलंद करने की बात कही। राहुल गांधी ने कहा कि हम मिलकर बिहार को एक ऐसा राज्य बनाएंगे जहां अवसरों की कोई कमी न हो। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की यह कोशिश है कि युवाओं को राजनीति के मुख्धारा से जोड़ा जाए और उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान हो। उनकी पदयात्रा का मकसद बेरोजगारी, महंगाई और सामाजिक न्याय जैसे मुद्दों को मुख्यधारा में लाकर युवाओं को जोड़ना है। उनकी आज की पदयात्रा में हजारो युवा व्हाटइ टीशर्ट पहनकर शामिल हुए। पालिटिक्ल एनालिस्ट इसे सफेद त्रांती कह रहे हैं और इसे भगवा राजनीति संघ-भाजपा की प्रतीक के जवाब में व्हाइट पॉलिटिक्स क शुरूआत माना जा रहा है। व्हाइट यानि शांति समावेशिता और स्वच्छता की राजनीति।

नौकरी दो पलायन रोको बनाम धर्म और राष्ट्रवाद

2025 के चुनाव में दो स्पष्ट मुद्दे उभरते दिख रहे हैं। एक तरफ भाजपा का एजेंडा है राष्ट्रवाद, धार्मिक पहचान और डबल इंजन सरकार की उपलब्धियां। दूसरी तरफ विपक्ष विशेषकर कांग्रेस और राजद रोजगार महंगाई और पलायन जैसे जमीनी मुद्दों पर केंद्रित है। राहुल गांधी द्वारा नौकरी दो और पलायन रोको जैसे नारों को जोर-शोर से उठाना इस बात की ओर इशारा करता है कि विपक्ष अब भाजपा की भावनात्मक राजनीति का जवाब ठोस सामाजिक-आर्थिक मुद्दों से देना चाहता है। लेकिन सवाल यह है कि क्या मतदाता इन मुद्दों को चुनावी फैसले का आधार बनाएंगे?

प्रगति के लिए इस यात्रा में साथ चलें : कन्हैया

कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार भी पदयात्रा में शामिल हो चुके हैं। उन्होंने लोगों से कहा कि कुछ ही देर में पलायन रोको नौकरी दो यात्रा में शामिल होने के लिए हमारे नेता और देश में विपक्ष की सबसे मजबूत आवाज राहुल गांधी आ रहे हैं। आप सभी लोग बिहार में नौकरी, शिक्षा और उन्नति-प्रगति के लिए इस यात्रा में साथ चलें। राहुल जी की अपील है कि अपनी हुंकार दर्ज करवाने के लिए यात्रा में सफेद टी-शर्ट पहन कर आइये और सरकार तक अपनी आवाज पहुंचाइये।

बिहार आने से कोई असर नहीं पड़ेगा : भाजपा

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा ने कहा कि उनके बिहार आने से कोई असर नहीं पड़ेगा। वे आए हैं और भ्रम फैलाएंगे। बिहार में नीतीश कुमार और पीएम मोदी की सरकार है। उन्हें भगवा रंग से नफरत है और इसलिए वे सफेद टी-शर्ट पहनते हैं। केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय ने तंज सकते हुए कहा कि राहुल गांधी बिहार आए हैं। वे जहां भी जाते हैं, सबसे पहले अपने गठबंधन और अपनी पार्टी के लिए मुश्किलें खड़ी करते हैं। यहां वे तेजस्वी यादव के लिए मुश्किलें खड़ी करने आए हैं...लालू जी की पार्टी ने जंगल राज स्थापित किया। बिहार की जनता ने भ्रष्ट लोगों को नकार दिया है। वे विकास चाहते हैं।

भारत के लिए कोढ़ में खाज बना ट्रम्प का टैरिफ अटैक!

» गिरावट के लालसागर में गोते लगाते भारतीय शेयर बाजार

» शेयर बाजार का निकला दम, टैरिफ दबाव में भारी तबाही

» भारतीय शेयर बाजारों में 4 फीसदी तक की गिरावट

» सभी शेयर लाल निशान में टाटा, रिलायंस टॉप लूजर्स

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। ट्रम्प के टैरिफ अटैक ने भारतीय अर्थव्यवस्था में कोढ़ में खाज का काम किया और आज सुबह भारतीय शेयर बाजारों में क़यामत देखी गयी। बाजार शुरूआत में ही धड़धड़ाकर गिरने लगे। और कुछ ही मिनटों में निफ्टी में साढ़े तीन प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज हो गयी। आज के तूफ़ान में क्या स्मालकैप और क्या लार्जकैप कोई नहीं बचा। न छोटा निवेशक न बड़ी कंपनी। सभी कंपनियों के शेयर बाजार गिरावट के लालसागर में गोता लगाते दिखे। सोचिये खबर लिखे जाने तक संसेक्स पैक में सभी 30 शेयर लाल निशान में थे। टाटा स्टील, टाटा मोटर्स, इंफोसिस, टेक महिंद्रा, एलएंडटी, एचसीएल टेक, टीसीएस, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एनटीपीसी, एक्सिस बैंक, एमएंडएम, कोटक महिंद्रा बैंक, इंडसइंड बैंक और एमएंडएम टॉप लूजर्स थे।

अन्य एशिया बाजारों में भी गिरवाट

टैरिफ का अटैक झेल रहे अन्य एशियाई बाजारों की भी हवा निकल गयी। वहां तो भारतीय शेयर बाजारों से ज्यादा कोहराम देखा गया टोक्यो, शंघाई, बैंकॉक, सियोल और हांगकांग के शेयर बाजारों में 11 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई है।रेसिप्रोकल टैरिफ के कारण शुक्रवार को अमेरिकी बाजारों में भारी बिकवाली देखी गई थी डाओ 5.50 प्रतिशत और टेक्नोलॉजी इंडेक्स नैस्डैक लगभग 5.82 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए थे।

कच्चे तेल के दाम भी गिरे

सिर्फ शेयर बाजार ही नहीं वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच कच्चे तेल की कीमतों में तेज गिरावट आई है। ब्रेंट क्रूड 2.67 प्रतिशत गिरकर 63.82 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया, जबकि वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 2.69 प्रतिशत गिरकर 60.31 डॉलर प्रति बैरल पर है। यानि कि इस गिरावट का असर रूपये पर पड़ना निश्चित है और डालर के मुकाबले गिरवाट संभव है। यही नहीं गोल्ड भी अपनी चाल तेज कर रहा है और आने वाले समय में नई उचाइयों पर विराजमान होने वाला है।

'यूपी में पुलिस ही पुलिस पर मुकदमे दर्ज कर रही'

» सपा मुखिया अखिलेश यादव बोले- बीजेपी के लोग ही बीजेपी के खिलाफ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने एक बार फिर भाजपा सरकार को आड़े हाथों लिया। यूपी के पूर्व सीएम ने भ्रष्टाचार और कानून व्यवस्था से लेकर विभिन्न मुद्दों पर सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि जीरो टॉलरेंस अगेंस्ट क्राइम एंड करप्शन की पॉलिसी यूपी में जीरो हो गई है।

सपा मुखिया ने कहा कि बहुत कम देखने को मिलता होगा कि पुलिस फिरौती के लिए खुद अपहरण कर रही है। पुलिस ही पुलिस पर मुकदमे दर्ज कर रही है। अब बताओ जीरो टॉलरेंस कहां बचा। प्रदेश में कहीं भी लोगों को न्याय नहीं मिल रहा है।

बीजेपी के लोगों को भी न्याय नहीं मिल रहा है। बीजेपी के लोग ही बीजेपी के खिलाफ हैं। बीजेपी यही चाहती है कि हम लोग बुनियादी सवालों पर चर्चा ना करें। क्या उत्तर प्रदेश में गेहूं की सरकारी खरीद हो रही है ? सरकार ने खरीद के लिए प्राइवेट लोगों को लाइसेंस दे दिया है। यूपी और उत्तराखंड से सबसे ज़्यादा युवा फौज में जाते थे। लेकिन, पक्की भर्ती बंद करके अग्निवीर योजना शुरू कर दी गई। सपा मुखिया ने नसीहत देते हुए कहा कि सरकार अमेरिका के राष्ट्रपति से सीखे कि वह लोग अपने देश की अर्थव्यवस्था को बचाने के लिए दूसरे देशों पर पाबंदी लगा रहे हैं। क्या हमारी सरकार चीन पर पाबंदी लगा पाएगी? ये सरकार झूठ के एक्सप्रेसवे बना रही है। एक पोस्टर में लिखा था कि छह बन चुके हैं और सात निर्माणाधीन हैं। तो क्या बाकी हवा में बन रहे हैं?

अखिलेश यादव ने आगे कहा कि करप्शन में एक आईएएस अधिकारी को पकड़ा गया है। बीच में जो दलाल था, उसे भी पकड़ा गया। पकड़ा गया दलाल और भी आईएएस अफसरों का काम करता था। ये करप्शन का मामला नहीं, बल्कि बंटवारे का झगड़ा था।

राम मंदिर पहुंचे अवधेश प्रसाद

राम नवमी के मौके पर अयोध्या से सांसद अवधेश प्रसाद मंदिर दर्शन करने पहुंचे। सांसद ने कहा कि मेरे नाम में ही राम का नाम है। मेरे परिवार के कई लोगों के नाम में राम है। मेरा इस मंदिर से रिश्ता आज का नहीं है। जब मैं यहां पढ़ाई करता था तब से प्रभु के दर्शन के लिए यहां आया करता था। अवधेश प्रसाद ने कहा कि मैं अपने को मैं सौभाग्यशाली मानता हूं कि मेरा जन्म यहीं हुआ। मेरा बाबा, पिता और भाई सबके नाम में राम का नाम है। राम की कृपा से ही मैं अयोध्या से सांसद हूं। उसकी चर्चा पूरी दुनिया में है।

आधी आबादी और पीडीए बीजेपी से नाराज

जो लोग 80-20 का नारा देते हैं, मैं उनसे पूछता हूं कि हम 80 में आते हैं या 20 में। ये 80-20 का मामला नहीं, बल्कि 90-10 का मामला है। आधी आबादी और पीडीए बीजेपी से नाराज है। जो लोग निवेश लाना चाहते थे, वो विनाश ले आए। ये भ्रष्ट अधिकारी छुपे हुए हैं। यूपी के एक अधिकारी का पैसा दूसरे प्रदेश में मिला।

इंडिया एलायंस का दुष्प्रचार कर रहे

अखिलेश ने कहा कि इतिहास को नहीं पलटना चाहिए। जो इतिहास खुशहाली के रास्ते पर ना ले जाए, उसे नहीं पलटना चाहिए। क्योंकि इतिहास में अच्छाई और बुराई दोनों होती है। जबसे वक्फ बिल पास हुआ है, तबसे बीजेपी के लोग इंडिया एलायंस का दुष्प्रचार कर रहे हैं। ये लोग पीडीए से घबराए हुए हैं।

सपा नेता सुमैय्या राना को 10 लाख के निजी मुचलके का नोटिस

प्रसिद्ध शायर मुनव्वर राना की बेटी और सपा नेता सुमैय्या राना को अब पुलिस ने शांतिभंग की आशंका के चलते 10 लाख रुपये के निजी मुचलके का नोटिस भेजा है। उनको सोमवार एसीपी कैसरबाग कोर्ट में पेश होने का आदेश भी है। कैसरबाग के एफआई अपार्टमेंट में सुमैय्या राना का फ्लैट है। उन्होंने बताया कि बृहस्पतिवार रात अचानक कैसरबाग पुलिस फ्लैट पर पहुंची और हाउस अरेस्ट कर लिया। शुक्रवार को उन्होंने वक्फ संशोधन बिल के विरोध में प्रदर्शन करने का ऐलान किया था। शनिवार शाम तक हाउस अरेस्ट रखा। इसके बाद शनिवार रात पुलिस एक नोटिस लेकर पहुंची। उन्होंने नोटिस लेने से मना कर दिया। इसके बाद कैसरबाग पुलिस ने उनको व्हाट्सएप पर पाबंद किए जाने का नोटिस भेजा। नोटिस में 10 लाख रुपये के निजी मुचलके का जिक्र था। सोमवार को एसीपी कैसरबाग कोर्ट में पेश होने का आदेश भी दिया। उन्होंने बताया कि नोटिस का कोर्ट में चुनौती देंगी। उनकी तरह ही सामाजिक कार्यकर्ता उजमा परवीन और सपा के छात्रसभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष महेंद्र यादव को भी पुलिस ने पाबंद किए जाने का नोटिस भेजा है।

दिल्ली के स्कूलों में रोहिंग्या के बच्चों को मिला दाखिला : अनिल

» आप विधायक का भाजपा सरकार पर बड़ा आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के विधायक अनिल झा ने कहा कि करावल नगर में दिल्ली सरकार के स्कूलों में करीब दस रोहिंग्या स्टूडेंट्स को एडमिशन दिया गया है। हमारे पास इसकी पुख्ता जानकारी और सबूत हैं। वहां से विधायक जो मंत्री भी हैं, वे बताएं कि इन अवैध विदेशियों को क्यों एडमिशन दिया गया है।

उन्होंने कहा, करावल नगर के एक स्कूल में भारतीय बच्चों का हक मारकर 10 रोहिंग्या बच्चों को एडमिशन दिया गया है। इससे पहले केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी भी रोहिंग्या को ईडब्ल्यूएस फ्लैट में बसाने की बात कह चुके हैं। भाजपा को भारत के गरीबों, दलितों और अल्पसंख्यकों की चिंता नहीं है, उन्हें केवल रोहिंग्याओं की चिंता है। देश की सभी सेनाएं, सुरक्षा और खुफिया एजेंसी केंद्र सरकार की हैं लेकिन इसके बावजूद हजारों की संख्या में रोहिंग्या दिल्ली-एनसीआर में रह रहे हैं। दिल्ली में हज़ारों लोग बेघर हैं लेकिन केंद्र सरकार रोहिंग्या को ईडब्ल्यूएस फ्लैट्स देने की बात कह रही है। अब दिल्ली सरकार के स्कूलों में रोहिंग्या बच्चों को एडमिशन दिया गया है। आप विधायक ने कहा कि अपनी दोहरी नीतियों के कारण केंद्र सरकार, दिल्ली और देश को अस्थिर कर रही है। दिल्ली में रह रहे जो हमारे बच्चे हैं, भाजपा सरकार में उनके हक को मारकर रोहिंग्या घुसपैठियों को प्राथमिकता दी जा रही है। यह सरासर गलत है। भारत में दलितों, गरीबों और अल्पसंख्यक समाज के बच्चे पढ़ नहीं पा रहे हैं लेकिन दिल्ली की बीजेपी सरकार को उनकी चिंता नहीं है। दिल्ली सरकार घुसपैठियों के लिए रेड कारपेट बिछा रही है और उन्हें इन रोहिंग्या घुसपैठियों की चिंता ज्यादा है।

यूपी में कांग्रेस फिर अपने दम पर खड़ी होगी

सामाजिक न्याय पर ध्यान देगी पार्टी, जिला व शहर अध्यक्षों को शीर्ष नेतृत्व की नसीहत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में एकबार फिर अपने दम पर खड़े होने की कोशिश में कांग्रेस जुट गई हैं। पार्टी की जिला एवं प्रदेश कार्यकारिणी में सामाजिक न्याय की झलक दिखेगी। कार्यकारिणी में सभी जातियों का पूरा मौका मिलेगा। अति पिछड़े व दलित वर्ग को समाहित करते वक्त संबंधित जिले के वोटबैंक का भी ध्यान रखा जाएगा। इसकी कवायद शुरू हो गई है।

दरअसल, जातीय गोलबंदी के सहारे कांग्रेस ने अपना खोया जनाधार पाने की कवायद तेज कर दी है। दिल्ली पहुंचे पार्टी के जिला व शहर अध्यक्षों को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने संगठन से लेकर सियायत तक का पाठ पढ़ाया है। इसी आधार पर अब जिला व शहर अध्यक्ष कांग्रेस का जनाधार बढ़ाएंगे। पार्टी सूत्रों के मुताबिक जिला व शहर अध्यक्षों को शीर्ष नेतृत्व ने जातीय गणित का विशेष तौर पर ध्यान रखने का निर्देश दिया है। साफ कहा गया है कि कार्यकारिणी में जातियों का गुलदस्ता दिखना चाहिए, जिसमें सामाजिक न्याय की झलक हो। जिले में जिस वर्ग की जितनी आबादी है, उसी हिसाब से उसकी भागीदारी सुनिश्चित करें। संगठन में अति पिछड़ों को ज्यादा तवज्जो देने की हिदायत दी गई है। इसमें यह भी ध्यान रखना है कि संबंधित जिले में अति पिछड़े वर्ग की कौन-कौन सी जातियां हैं। ऐसा ही फॉर्मूला दलित व अल्पसंख्यक वर्ग के लिए उठाना है। दलित वर्ग में भी अलग-अलग जातियों के लोगों को शामिल करने पर विशेष ध्यान देने को कहा गया है।

शहर कार्यकारिणी पर होगी माथा-पच्ची

शहरों में कांग्रेस के लिए कार्यकारिणी की मजबूती बड़ी चुनौती है। इसे देखते हुए शीर्ष नेतृत्व ने शहर अध्यक्षों को फूंक-फूंक कर कदम बढ़ाने की हिदायत दी है। शहर में जहां अल्पसंख्यक वर्ग की आबादी ज्यादा है, वहां अल्पसंख्यक वर्ग की सभी जातियों को कार्यकारिणी में समाहित करने को कहा गया है। संख्या आबादी के हिसाब से तय करने के निर्देश दिए गए हैं। कुछ यही फॉर्मूला मंडल व ब्लॉक कार्यकारिणी के गठन में भी अपनाने को कहा गया है।

जम्मू-कश्मीर विस में स्थगन प्रस्ताव पर जमकर बवाल

» नेशनल कॉन्फ्रेंस ने उठाया मुद्दा

» वक्फ कानून को लेकर हुआ हंगामा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में सोमवार को वक्फ कानून को लेकर जमकर हंगामा हुआ। नेशनल कॉन्फ्रेंस के स्थगन प्रस्ताव पर जमकर बवाल हुआ है। नेशनल कॉन्फ्रेंस वक्फ बिल पर चर्चा करने की मांग कर रही है।

नेकां नेता तनवीर सादिक वक्फ कानून के खिलाफ स्थगन प्रस्ताव लाने की मांग कर रहे हैं। स्पीकर ने कहा मामला न्यायालय में विचाराधीन इसलिए इस पर चर्चा नहीं हो सकती। भाजपा ने पहले सवाल-जवाब करवाने की मांग की थी, नेकां विधायकों ने वक्फ बिल ना मंजूर, इसे वापस करो आदि के नारे लगाए।

नेशनल कॉन्फ्रेंस विधायकों के हंगामे के बाद विधानसभा की कार्यवाही 15 मिनट के लिए स्थगित कर दी गई।

बंगाल चुनाव में अभी एक साल उठने लगा सियासी बवाल

» रामनवमी की यात्रा को लेकर भाजपा व टीएमसी में टकराव

» कोर्ट पहुंचा मामला, दलों को नसीहत सौहाद न बिगाड़ें

गीताश्री/4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में चुनाव अगले साल है। पर वहां पर सियासत अभी शुरू हो गई है। भाजपा जहां हिंदू त्योहरों के बहाने अपने वोट बैक को मजबूत करने की कोशिश में है तो वही विपक्षी गठबंधन भी कोर वोटरों की रूझान अपनी अेर करने के लिए प्रतिबद्ध है। राम नवमी के आयोजन को लेकर सियासी घमासान मचा है। ममता बनर्जी सरकार और बीजेपी आमने-सामने है। इधर विश्व हिंदू परिषद ने कलकत्ता हाई कोर्ट में याचिका कर दी है। वीएची ने बांकुरा के सालतोरा में राम नवमी पर जुलूस निकालने की अनुमति मांगी है।

कोर्ट कुछ शर्तो के साथ कोर्ट ने अनुमति दे दी है ।सालतोरा एक आदिवासी इलाका है। पहले, जिला पुलिस ने जुलूस निकालने की अनुमति नहीं दी थी। जस्टिस तीर्थंकर घोष की बेंच ने की याचिका स्वीकार कर ली है। इस मामले पर गुरुवार को सुनवाई हुई। वीएचपी का कहना है कि जिला पुलिस ने उन्हें सालतोरा में जुलूस निकालने की अनुमति इसलिए नहीं दी, क्योंकि उसी दिन, 6 अप्रैल को, उसी जगह पर दूसरे जुलूस भी होने हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की पश्चिम बंगाल इकाई का कहना है कि जुलूस प्रशासनिक नियमों के अनुसार ही निकाले जाएंगे। नियमों को तोड़ने का कोई सवाल ही नहीं उठता।

ऐसे शुरू हुआ राम नवमी के आयोजन को लेकर विवाद

राज्य में राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप भी शुरू हो गए। यह सब तृणमूल कांग्रेस के विधायक मदन मित्रा के एक बयान के बाद हुआ। मदन मित्रा ने कहा कि अगर कोई रामनवमी के त्योहार पर तनाव पैदा करने की कोशिश करेगा, तो वह पिटे बिना घर नहीं लौट पाएगा। मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि अपनी ताकत दिखाने के लिए रामनवमी का दिन न चुनें। मदन मित्रा के इस बयान पर बीजेपी के पूर्व लोकसभा सदस्य दिलीप घोष ने पलटवार किया। उन्होंने कहा कि पहले तृणमूल कांग्रेस के नेता सीधे खड़े होना सीखें, फिर ऐसी चुनौती दें। उन्होंने कहा कि मैं भी देखूंगा कि मुझे कौन घर में रहने के लिए मजबूर कर सकता है।

बंगाल पुलिस पर हिंदुओं को डराने का आरोप

पश्चिम बंगाल में बीजेपी के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और लोकसभा के पूर्व सदस्य दिलीप घोष ने पुलिस पर एक आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि पुलिस रामनवमी के त्यौहार को लेकर लोगों में बेवजह डर फैला रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस ने 2 से 9 अप्रैल तक सभी पुलिसकर्मियों की छुट्टियां रद्द कर दी हैं। सिर्फ इमरजेंसी में ही छुट्टी मिलेगी। दिलीप घोष ने कहा कि पुलिस का यह फैसला गैरजरूरी है। दिलीप घोष ने कहा कि ऐसे डराने वाले फैसले सिर्फ हिन्दू त्योहारों के समय ही लिए जाते हैं। पुलिस को उन लोगों पर ध्यान देना चाहिए जो परेशानी खड़ी करते हैं। हिन्दू तो शांति से अपने धार्मिक काम करते हैं। दुर्गा पूजा में लाखों लोग आते हैं, कोई झगड़ा नहीं होता। सत्ताधारी पार्टी की आदत हो गई है कि वो डर और तनाव पैदा करे। उन्होंने यह भी कहा कि रामनवमी के जुलूस में कोई गड़बड़ नहीं होगी, अगर पुलिस उन लोगों को सख्ती से संभाले जो इस मौके पर तनाव फैलाना चाहते हैं।

सुवेंदु अधिकारी को 2000 रैलियां निकालने का ऐलान

पश्चिम बंगाल के विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने कहा था कि इस साल रामनवमी पर कम से कम 2,000 रैलियां निकाली जाएंगी, जिनमें छोटी और बड़ी दोनों शामिल होंगी। उन्होंने यह भी कहा कि इस साल रामनवमी की रैलियों में पिछले साल की तुलना में दोगुनी भीड़ होगी। उन्होंने कहा, रामनवमी इस साल बड़े पैमाने पर मनाई जाएगी। मैं उस दिन सड़कों पर रहूंगा। पिछले साल रामनवमी के अवसर पर रैलियों में भाग लेने के लिए लगभग 50 लाख हिंदू सड़कों पर थे। पिछले साल 1000 रैलियां थीं। इस साल 2000 रैलियां होंगी और लगभग एक करोड़ हिंदू इन रैलियों में भाग लेंगे।

बड़ी साजिश की आशंका

पश्चिम बंगाल पुलिस के दो बड़े अफसरों ने मीडिया को बताया था कि उन्हें जानकारी मिली है कि कुछ लोग आने वाले दिनों में हिंसा भड़काने की कोशिश कर रहे हैं। उनका निशाना रामनवमी का त्योहार हो सकता है। अतिरिक्त महानिदेशक सुप्रतिमा सरकार ने कहा कि कुछ लोग पोस्टर या पोस्ट के जरिए लोगों को भ?काने की योजना बना रहे हैं। पुलिस अलर्ट है। अलग-अलग समुदायों के लोगों के बीच तनाव पैदा करने की कोशिश हो सकती है, खासकर रामनवमी के मौके पर। हमने लोगों से अपील की है कि वो भड़काने में न आएं। डरने की कोई बात नहीं है। लेकिन साथ ही, हम लोगों से यह भी कह रहे हैं कि अगर उन्हें अपने इलाके में कोई भी शक वाली चीज दिखे तो वे तुरंत पुलिस को बताएं।

जादवपुर यूनिवर्सिटी में रामनवमी मनाने की नहीं मिली इजाजत

जादवपुर विश्वविद्यालय ने कुलपति की अनुपस्थिति को कारण बताते हुए विश्वविद्यालय परिसर में रामनवमी मनाने की अनुमति देने से कथित तौर पर इनकार कर दिया है। जादवपुर विश्वविद्यालय (जेयू) के एक छात्र सोमसूर्या बनर्जी ने बताया कि 28 मार्च को हमने जेयू के सामान्य छात्रों की ओर से विश्वविद्यालय को एक पत्र सौंपा था जिसमें अनुमति (रामनवमी समारोह के लिए) मांगी गई थी; आज हमें विश्वविद्यालय से एक हस्ताक्षरित प्रति मिली जिसमें कहा गया है कि वे अनुमति नहीं दे सकते क्योंकि कुलपति अनुपस्थित हैं। वे इसे एक बहाने के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। इसी तरह, 3 और 4 अप्रैल को - एसएफओआई ने एक राजनीतिक कार्यक्रम आयोजित किया, और वह भी कुलपति की अनुपस्थिति में, लेकिन उनके पास अनुमति थी।छात्र ने आगे दावा किया कि विश्वविद्यालय परिसर में इफ्तार जैसी हर धार्मिक गतिविधि का आयोजन किया गया, लेकिन हमें से किसी ने भी इसका विरोध नहीं किया। हमने विश्वविद्यालय को सूचित कर दिया है और पुलिस को भी एक ईमेल लिखा है कि हम रामनवमी को शांतिपूर्वक मनाएंगे। हम उम्मीद करते हैं कि सभी छात्र संघ और प्रशासन हमारे उत्सव का सम्मान करेंगे और इसमें सहयोग करेंगे। पिछले सप्ताह, जादवपुर विश्वविद्यालय के अंतरिम कुलपति भास्कर गुप्ता को पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने परिसर में हिंसा को रोकने में विफल रहने और आदेशों की अवहेलना करने के कारण हटा दिया था। इससे पहले हिंदू छात्र संघ और अन्य छात्रों ने विश्वविद्यालय परिसर में ही उत्सव मनाने की योजना की घोषणा की थी। हालांकि, प्रशासन के इस फैसले से आयोजकों में असंतोष है। यह कदम इसलिए उल्लेखनीय है क्योंकि जादवपुर विश्वविद्यालय को कोलकाता में वामपंथी राजनीति का केंद्र माना जाता है। पिछले महीने, राज्य के शिक्षा मंत्री ब्रत्य बसु के दौरे के दौरान विश्वविद्यालय परिसर के अंदर छात्रों का एक बड़ा विरोध प्रदर्शन हुआ था। कुछ छात्रों ने कथित तौर पर उनका %घेराबंदी% की और उनके साथ मारपीट की, और मंत्री की कार में भी तोड़फोड़ की।

एनडीए सरकार पर वार पर वार जारी

» हिंदी, नीट व वक्फ के बाद कच्चातीव पर अड़ी द्रमुक

» नीट से छूट संबंधी मामले में आर-पार की लड़ाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। डीएमके प्रमुख किसी भी कीमत पर केंद्र से टकरार से पीछे हटने को तैयार नहीं हैं। पहले हिंदी को लेकर वह भाजपा पर बरसे उसके बाद वक्फ को लेकर वह एनडीए सरकार से इतने नाराज हो गए कि इसके खिलाफ कोर्ट तक पहुंच गये। अब ताजे मामले में व केंद्र द्वारा तमिलनाडु के नीट से छूट संबंधी विधेयक को नामंजूर करने पर बरस गए हैं। इन सबके बीच कच्चातीवु द्वीप को वापस लाने के लिए केंद्र से मांग करके भाजपा को फंसा दिया है।

मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने कहा, तमिलनाडु सरकार ने विभिन्न मंत्रालयों के माध्यम से सभी आवश्यक स्पष्टीकरण दिए थे, फिर भी केंद्र सरकार ने नीट से छूट के प्रस्ताव को अस्वीकृत कर दिया। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने कहा कि राज्य को नीट से छूट संबंधी

कच्चातीवु पर गरमाई राजनीति, तमिलनाडु विधानसभा में प्रस्ताव पारित

स्टालिन ने कहा कि यह सदन सर्वसम्मति से केंद्र सरकार से आग्रह करता है कि वह कच्चातीवु को वापस पाने और हमारे मछुआरों की रिहाई सुनिश्चित करने के लिए सभी कदम उठाए। उन्होंने कहा, केंद्र सरकार यह भूल जाती है कि तमिलनाडु के मछुआरे भी भारतीय मछुआरे हैं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2014 के आश्वासन के बावजूद कि मछुआरों पर हमला नहीं किया जाएगा, उन्हें गिरफ्तारियों का सामना करना पड़ रहा है और उनकी नौकाएं जब्त की जा रही हैं। तमिलनाडु विधानसभा ने सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित किया जिसमें केंद्र सरकार से श्रीलंका से कच्चातीवु द्वीप वापस लेने के लिए कदम उठाने का आग्रह किया गया। विपक्षी दलों एआईएडीएमके और भाजपा ने भी प्रस्ताव का समर्थन किया। प्रस्ताव में श्रीलंकाई नौसेना द्वारा जारी गिरफ्तारियों और जब्ती के कारण तमिलनाडु के मछुआरों के सामने आने वाली चुनौतियों पर ज़ोर दिया गया। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने सदन में चर्चा का नेतृत्व किया और इस बात पर ज़ोर दिया कि कच्चातीवु को वापस लेना ही एकमात्र स्थायी समाधान है और उन्होंने तमिलनाडु के मछुआरों की मौजूदा दुर्दशा पर ज़ोर दिया। उन्होंने केंद्र सरकार से श्रीलंका के साथ हुए समझौते में संशोधन करने का आग्रह किया और प्रधानमंत्री से, जो श्रीलंका की यात्रा पर जाने वाले थे, इस मुद्दे पर वहां के नेताओं से चर्चा करने का आग्रह किया।

केंद्र सरकार से आग्रह

स्टालिन ने कहा कि यह सदन सर्वसम्मति से केंद्र सरकार से आग्रह करता है कि वह कच्चातीवु को वापस पाने और हमारे मछुआरों की रिहाई सुनिश्चित करने के लिए सभी कदम उठाए। उन्होंने कहा, केंद्र सरकार यह भूल जाती है कि तमिलनाडु के मछुआरे भी भारतीय मछुआरे हैं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2014 के आश्वासन के बावजूद कि मछुआरों पर हमला नहीं किया जाएगा, उन्हें गिरफ्तारियों का सामना करना पड़ रहा है और उनकी नौकाएं जब्त की जा रही हैं। स्टालिन ने प्रस्ताव पेश करते हुए कहा कि अकेले 2024 में 500 से ज्यादा मछुआरे गिरफ्तार किए गए हैं - यानी हर दिन दो। विदेश मंत्री ने खुद मार्च में स्वीकार किया था कि 97 मछुआरे अभी भी श्रीलंका की जेलों में हैं। इसे रोकना होगा। भाजपा विधायक वनथी श्रीनिवासन ने प्रस्ताव का समर्थन किया, लेकिन सवाल उठाया कि द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) ने केंद्र में सत्ता में रहते हुए इस पर कार्रवाई क्यों नहीं की।

विधानसभा से पारित किये गये प्रस्ताव को केंद्र ने नामंजूर कर दिया है। इस प्रस्ताव को राज्य सरकार ने विधानसभा से पारित कराने के बाद राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए भेजा था। स्टालिन ने कहा कि राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) को समाप्त कराने को लेकर तमिलनाडु अपना संघर्ष जारी रखेगा। उन्होंने बताया कि इस संबंध में नौ अप्रैल को एक सर्वदलीय बैठक बुलाई गई है। मुख्यमंत्री ने विधानसभा को नवीनतम घटनाक्रम से अवगत कराते हुए प्रस्ताव को नामंजूर किये जाने को काला अध्याय करार दिया। उन्होंने केंद्र पर तमिलनाडु की जनता की इच्छा तथा विधानसभा के विधेयक की अवहेलना करने का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने कहा, तमिलनाडु सरकार ने विभिन्न मंत्रालयों के माध्यम से सभी आवश्यक स्पष्टीकरण दिए थे, फिर भी केंद्र सरकार ने नीट से छूट के प्रस्ताव को अस्वीकृत कर दिया।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

न्यायपालिका पर भरोसा लोकतंत्र के लिए जरूरी

लोकतंत्र के चारों स्तंभों में न्यायपालिका सबसे जरूरी स्तंभ है। आम जन जब विधायिका, कार्यपालिका व प्रेस से न्याय नहीं पा पाता है तो वह कोर्ट जाता है। ऐसे में कोर्ट ही उसका आखिरी न्यायदाता होता है। ऐसे न्यायपालिका को सुदृढ़ होना बहुत जरूरी है। बता दें न्यायपालिका की जवाबदेही और पारदर्शिता पर उठते सवालों के बीच सुप्रीम कोर्ट के सभी जजों ने अपनी संपत्ति को सार्वजनिक रूप से घोषित करने पर सहमति जताई है। न्याय के प्रति जनता के भरोसे को और मजबूत करने के लिहाज से इस फैसले को सही कदम कहा जाना चाहिए। यह कदम दिल्ली हाईकोर्ट के जज के रूप में पदस्थापित जस्टिस यशवंत वर्मा के आवास पर नकदी मिलने का मामला सामने आने के बाद उठाया गया है। इस घटना के बाद न केवल न्यायपालिका की कार्यशैली पर सवाल उठने लगे थे बल्कि जजों की नियुक्ति प्रक्रिया में बदलाव की मांग भी जोर पकड़ रही थी। उम्मीद की जानी चाहिए कि सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों द्वारा संपत्ति की सार्वजनिक घोषणा का निर्णय न्यायपालिका में पारदर्शिता कायम करने वाला होगा।

जजों की संपत्ति सार्वजनिक करने की मांग समय-समय पर विभिन्न स्तरों पर उठाई जाती रही है। इस मांग के पीछे बड़ा तर्क भी यही दिया जाता रहा है कि जब तक जजों की संपत्ति सार्वजनिक नहीं होगी, न्यायपालिका में भ्रष्टाचार के आरोपों पर ठोस कार्रवाई संभव नहीं हो सकेगी। वर्ष 1997 में सर्वोच्च न्यायालय ने एक प्रस्ताव पारित किया था, जिसके तहत न्यायाधीशों को अपनी संपत्ति और देनदारियों का विवरण मुख्य न्यायाधीश को प्रस्तुत करना आवश्यक था। हालांकि 2009 में यह निर्णय भी किया गया था कि न्यायाधीश स्वेच्छा से अपनी संपत्ति की जानकारी सार्वजनिक कर सकते हैं पर यह अनिवार्य नहीं है। गत वर्ष ही सरकार ने भी उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों के लिए अपनी संपत्ति की वार्षिक घोषणा को अनिवार्य बनाने का प्रस्ताव रखा था। इसका भी मकसद न्यायपालिका में जनता के भरोसे को मजबूत करना था। न्यायपालिका ही फरियाद का अंतिम पड़ाव कहा जाता है। ऐसे में न केवल सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश बल्कि न्यायपालिका के सभी स्तरों पर न्यायाधीश अपनी संपत्ति को सार्वजनिक करें तो उसका संदेश अच्छा जाएगा। अब तक का अनुभव बताता है कि उच्च न्यायालयों के स्तर पर भी जजों में संपत्ति को सार्वजनिक करने की प्रवृत्ति काफी कम है। मार्च 2025 तक, उच्च न्यायालयों के कुल 763 में से सिर्फ 49 न्यायाधीशों ने अपनी संपत्ति सार्वजनिक की है। न्यायपालिका में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए अभी इस दिशा में और प्रयासों की जरूरत है। न्यायपालिका पर जनता का भरोसा लोकतंत्र का अहम आधार है। न्यायिक प्रणाली में किसी संदेह की गुंजाइश नहीं रहे इसके लिए जरूरत इस बात की है कि निचली अदालतों तक संपत्ति सार्वजनिक करने जैसे कदम उठए जाएं। ताकि न्यायपालिका की पारदर्शिता को लेकर उठने वाले संदेह दूर हो सकें।

“ न्याय के प्रति जनता के भरोसे को और मजबूत करने के लिहाज से इस फैसले को सही कदम कहा जाना चाहिए। यह कदम दिल्ली हाईकोर्ट के जज के रूप में पदस्थापित जस्टिस यशवंत वर्मा के आवास पर नकदी मिलने का मामला सामने आने के बाद उठाया गया है। इस घटना के बाद न केवल न्यायपालिका की कार्यशैली पर सवाल उठने लगे थे बल्कि जजों की नियुक्ति प्रक्रिया में बदलाव की मांग भी जोर पकड़ रही थी।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

अजान संग घंटियों की आवाजों का संदेश

विवेक शुक्ला

कश्मीर घाटी में ईद और कश्मीरी हिन्दुओं के नूतन वर्ष नवरेह धूमधाम से मनाए जाने की खबरें सुखद हैं। दरअसल, कश्मीर में यह नया बदलाव एक दिन में नहीं आया है, इसके लिए केन्द्र सरकार की सरपरस्ती में दीर्घकालीन नीति पर काम किया गया है। सबसे पहले कश्मीर की शांति के लिए नासूर बने मुद्दों की पहचान की गई, कश्मीर की बर्बादी के लिए जिम्मेदार वंशवाद की राजनीति पर प्रहार किया गया, मस्जिदों से संचालित हो रहे आतंकवाद और कथित जिहाद को समाप्त किया गया, नीतियों में अकर्मण्यता और जड़ता को खत्म किया गया और जनता द्वारा चुने गए स्थानीय शासन की पद्धति को बहाल किया गया। कौन नहीं जानता कि लंबे समय तक अशांति, देश विरोधी ताकतों और पत्थरबाजी के कारण कश्मीर घाटी जलती रही। सबसे अहम बात यह है कि कश्मीर में आम नागरिकों और सुरक्षाकर्मियों के हताहत होने की संख्या में भारी गिरावट आई है।

वर्ष 2004 और 2014 के बीच, जम्मू और कश्मीर में 7,217 आतंकवादी घटनाएं दर्ज की गईं; 2014 और 2024 के बीच, यह संख्या घटकर 2,242 रह गई। आतंकी हमलों के कारण नागरिकों की मौतों में 81 प्रतिशत की कमी आई है, जबकि सुरक्षा बलों की हताहतों की संख्या आधी हो गई है। ये आंकड़े सिद्ध करते हैं कि कश्मीर अब देश की मुख्य धारा से जुड़ चुका है। राज्य में विकास परियोजनाओं के दो प्रकार के लाभ हो रहे हैं। पहला- राज्य में सड़कों, सेतुओं, शिक्षण संस्थानों और अस्पतालों का निर्माण हो रहा है। यानी इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के लिए भरपूर काम हो रहा है। दूसरा- केन्द्र सरकार की परियोजनाओं से हजारों युवाओं को रोजगार मिल रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने 2015 में जम्मू-कश्मीर के विकास के लिए 80,000 करोड़ रुपये की 63 परियोजनाओं को मंजूरी दी थी, जिनमें से 51,000 करोड़ रुपये का उपयोग किया जा चुका है। मोदी सरकार द्वारा शुरू की गई औद्योगिक नीति ने इस क्षेत्र में अभूतपूर्व निवेश आकर्षित किया है।

जहां जम्मू और कश्मीर को 70 वर्षों में केवल 14,000 करोड़ रुपये का निवेश प्राप्त हुआ था, वहीं पिछले एक दशक में ही 12,000 करोड़ रुपये का औद्योगिक निवेश हुआ है। इसके अतिरिक्त 1,10,000 करोड़ रुपये के समझौता ज्ञापनों को वर्तमान में लागू किया जा रहा है। यह आर्थिक परिवर्तन श्रीनगर और जम्मू की सड़कों पर स्पष्ट

दिखाई देता है, जहां नए व्यवसाय फल-फूल रहे हैं। श्रीनगर में घूमते हुए यह समझ आ जाता है कि राज्य में पर्यटन क्षेत्र लंबी-लंबी छलांगें लगा रहा है। यकीन मानिए कि अकेले 2023 में ही, रिकॉर्ड 2.11 करोड़ पर्यटकों ने जम्मू और कश्मीर का दौरा किया। जाहिर है, इससे कश्मीर की अर्थव्यवस्था को गति मिली है। बेशक, दस-पंद्रह साल पहले तक किसी ने सोचा भी नहीं था कि एक तरफ हजरत बल दरगाह मैदान में हजारों मुस्लिम एक-दूसरे के गले लगकर ईद की बधाइयां देंगे और वहीं दूसरी तरफ क्षीर भवानी मंदिर में कश्मीरी पंडित नवरेह के पर्व पर घंटी बजाकर मां भवानी की आरती गाएंगे। श्रीनगर के लाल चौक में 55 साल के बैंक कर्मी मकसूद भट्ट कुछ भावुक होकर कह रहे थे कि यह वही कश्मीर है, जिसे उन्होंने अपने बचपन में देखा था। तब यहां सब मिल-जुलकर रहते थे। लंबे समय तक उनका राज्य जलता रहा, लेकिन अब यहां अमन और विकास की बयार बहने लगी है। बेशक, एक सक्षम सरकार क्या होती है, और एक संवेदनशील गवर्नेंस की पद्धति क्या होती है, इसे देखना हो तो आज के कश्मीर को देख सकते हैं। आज कश्मीर में अमन है, जनता में भारत के लिए जबरदस्त जज्बा है, और यह यकीन है कि अब कश्मीर आगे बढ़ चुका है और सचमुच भारत का सिरमौर बनने की ओर अग्रसर है। इस बीच, अब पाकिस्तान भी कहीं न कहीं स्वीकार कर चुका है कि वह कश्मीर की जंग हार चुका है। पाकिस्तान की मशहूर लेखिका याना मीर कहती हैं कि कश्मीर की अवाम भारत के साथ खुश है, लेकिन पाकिस्तान खुले रूप से माहौल बिगाड़ना चाहता है, जिसमें वह सफल नहीं होगा।

अब पाकिस्तान भारत से कश्मीर लेने की नहीं, बल्कि पीओके को बचाने, बलूचिस्तान और गिलगित को टूटने से रोकने की जद्दोजहद में लगा हुआ है। मौजूदा स्थिति यह है कि आज कश्मीरी खुद कहते हैं कि वे खुली हवा में सांस ले रहे हैं, राज्य में स्कूल और अस्पताल बन रहे हैं, उनके बच्चे भी देश के अन्य बच्चों की तरह पढ़ रहे हैं, अब उनके अंदर भी यह जज्बा कायम हो गया है कि वे कश्मीर और भारत का नाम ऊंचा करें। अब कश्मीर में प्रधानमंत्री या गृह मंत्री की यात्रा पर कोई ब्लैकआउट कॉल नहीं देता, बल्कि स्थानीय लोग अपनी आकांक्षाएं और संवेदनाएं खुलकर जाहिर करते हैं। कश्मीर की हवा में जहर घोलने वाले जमात-ए-इस्लामी और जेकेएलएफ जैसे संगठनों के पीछे लोग खड़े नहीं होते।

पूर्वोत्तर में सुरक्षा चुनौती को गंभीरता से लेने की जरूरत

गुरबचन जगत

आज की मीडिया रिपोर्टों में बांग्लादेश सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद युनूस को उद्धृत करते बयान आए हैं, जो उन्होंने कथित तौर पर हाल ही में अपनी चीन यात्रा के दौरान दिए। उन्होंने बांग्लादेश के अलावा 'सेवन सिस्टर्स' (हमारे सात पूर्वोत्तर राज्य जिनके पास समुद्र तट नहीं लगता) सहित इस इलाके के विकास की परिकल्पना में इसको चीनी अर्थव्यवस्था और बांग्लादेश के बीच आर्थिक सहयोग का विस्तारित हिस्सा बनाए जाने की बात कही है, जिसमें बांग्लादेश और इसके बंदरगाह मुख्य भूमिका निभा सकते हैं। इस किस्म की टिप्पणियों के साथ वे 'चिकन नेक' क्षेत्र (जिसे सिलीगुड़ी कॉरिडोर के रूप में भी जाना जाता है) यानी पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में भूमि की वह संकरी पट्टी जो पूर्वोत्तर के राज्यों को शेष भारत से जोड़ती है, में व्याप्त भौगोलिक परिस्थितियों का लाभ उठाने की कोशिश कर रहे हैं। यूनुस इस समस्या में एक नया आयाम जोड़ने का प्रयास कर रहे हैं, मुझे यकीन है कि भारत सरकार ने पहले ही इस पर संज्ञान ले लिया होगा और किसी आकस्मिकता से निबटने के लिए रणनीति बनाने में लगी होगी।

शेख हसीना शासनकाल के बाद, बांग्लादेश-भारत संबंधों की धुरी का एक दोस्ताना पड़ोसी एवं सहयोगी से बदलकर लगभग बैर वाली स्थिति तक में तब्दील हो जाना उस देश में उभरती राजनीति और पाकिस्तान की आईएसआई का उस पर प्रभाव दर्शाता है। पाकिस्तान न तो 1971 को भूला है (जब उसने पूर्वी पाकिस्तान खोया था) न ही कश्मीर में अपने असफल प्रयासों को। यहां मेरा उद्देश्य हमारे पूर्वोत्तर क्षेत्र की अंदरूनी स्थिति को उजागर करना है। आज के अखबारों ने मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री बीरेन सिंह का कथित बयान भी छापा है, जिसमें उन्होंने दिवंगत पीए संगमा द्वारा संसद में 2014 में दिए एक भाषण का एक वीडियो साझा किया है, संगमा उसमें कथित तौर पर कुकी लैंड और क्षेत्र में अन्य छोटे-छोटे राज्य बनाने का समर्थन कर रहे हैं। बीरेन सिंह ने कहा कि आज भी मणिपुर के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करने के लिए इसी तरह के प्रयास किए जा रहे हैं ताकि राज्य को अस्थिर किया जा सके। इस बयान पर मेघालय के मुख्यमंत्री और पीए संगमा के बेटे ने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए अपने पिता का बचाव किया है।

मैंने भविष्य में बांग्लादेश (और पाकिस्तान) की संभावित भूमिका और हमारी अपनी आंतरिक खींचतान (महत्वपूर्ण पदों पर आसीन लोगों द्वारा दिए जा रहे असंयमित बयानों को देखते हुए) को सामने लाने के लिए गहरे उतरकर मनन किया है। 2023 तक और मणिपुर में हिंसा की शुरुआत होने तक, दशकों की अशांति और हिंसा के बाद पूर्वोत्तर में शांति कायम थी। नगालैंड में युद्ध विराम था और असम, अरुणाचल, मिजोरम, मेघालय, त्रिपुरा और मणिपुर में निर्वाचित सरकारें थीं। भारत सरकार ने सेना, सुरक्षा बलों और पुलिस की मदद से क्षेत्र में शांति बनाने और लोकतांत्रिक प्रक्रिया की बहाली में सराहनीय काम किया था। पूर्वोत्तर और शेष भारत के बीच संवाद और एकीकरण में सुधार हुआ और क्षेत्र के लोग पढ़ाई और रोजगार के लिए दूसरे हिस्सों में जाने लगे।

पर्यटन भी फलने-फूलने लगा। हालांकि, मणिपुर उच्च न्यायालय के एक फैसले में सिफारिश की गई कि राज्य सरकार को इस क्षेत्र के मुख्य समुदाय मैतेई को अनुसूचित जनजाति के रूप में शामिल करने के लिए भारत सरकार से कहना चाहिए और इस प्रकार की सकारात्मक कार्रवाई की अनुमति देनी चाहिए (जिसका एक अर्थ बाहरी लोगों द्वारा पहाड़ी इलाके में भूमि खरीद को खोलना भी निकलता है)। इस फैसले से होने वाले नुकसान की संभावना का अंदाजा लगाते हुए राज्य सरकार को न्यायिक साधनों से इस फैसले को चुनौती देने के लिए तुरंत कदम उठाने चाहिए थे (ऐसा वह आसानी से कर सकती थी)। बाहरी लोगों की आमद खुलने की आशंका की वजह से पहाड़ी जनजातियों में अपनी ज़मीन और पहचान खोने का डर बना और उन्होंने बड़े पैमाने पर प्रतिक्रिया, जो कभी-कभी हिंसक भी थी, व्यक्त की। दुर्भाग्यवश, राज्य स्तर पर इस मामले को ठीक से नहीं संभाला गया और स्थिति को अशांति और हिंसा में बदलने दिया गया। बड़ी संख्या में घाटी वासियों और पहाड़ी लोगों के बीच झड़पें हुईं और पुलिस के शस्त्रागार लूट लिए गए और बहुत से हथियार गायब हो गए (जिनमें से अधिकांश बरामद नहीं हो पाए)। सेना और पी.एम.एफ. का समुचित इस्तेमाल नहीं किया गया और पुलिस भी इसके लिए तैयार नहीं थी। अब किसी तरह शांति बहाल हुई है, लेकिन सामाजिक ताना-बाना बिखर चुका है और चुप्पी ही एकमात्र संवाद है। पहाड़ी लोग अपनी पुरानी जीवन शैली में वापस नहीं जा पा रहे।

हम बारूद के ढेर पर बैठे हैं, जिसे एक भड़काऊ बयान विस्फोट में बदल सकता है। समुदायों और सरकार के बीच बातचीत की प्रक्रिया शुरुआती दौर में आरंभ नहीं की गई और राज्य सरकार ने जोर-जबरदस्ती वाले तरीकों का इस्तेमाल करना चुना, जो विफल रहा। पूर्वोत्तर में स्थिति संभालने लिए उच्चतम स्तर की राजनीतिक सूझबूझ और राजनीति कौशल की आवश्यकता है। हमें पहले स्थिति को बिगड़ जाने देना और फिर आग बुझाने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। मैं अन्य राज्यों पर एक नज़र डालना चाहूंगा- मिजोरम में लंबे समय से शांति है, लेकिन अब कुछ आशंकित करने वाले संकेत दिखाई देने लगे हैं। जैसा कि मीडिया में बताया गया है कि भारत सरकार ने मिजोरम सरकार से कहा है कि वह म्यांमार से आने वाले रोहिंग्याओं को शरण न दे और उनके लिए शिविर न बनाए।

सर में फंगल इंफेक्शन का करें देशी इलाज

रूखेपन से अक्सर सिर पर फंगल इंफेक्शन हो जाता है। इस इंफेक्शन की वजह से बालों में खुजली और अत्यधिक रूसी हो जाती है। फंगस पैदा करने वाले बैक्टीरिया आमतौर पर मानसून में पैदा होते हैं और बारिश के बाद भी इनका प्रभाव ख़त्म नहीं होता। इस दौरान लोग डैंड्रफ से भी काफी परेशान रहते हैं। संक्रमण डैंड्रफ की तरह दिखता है, खोपड़ी के विभिन्न हिस्सों में डैंड्रफ का एक गंभीर रूप है। यह अक्सर सोरायसिस होने के लिए गलत है। कुछ संक्रमण में बालों के पैरों की वजह से बालों के झड़ने का नुकसान होता है। ये पैच स्केली और सूजन हो जाते हैं। पैच छोटे बाल तोड़ दिया हो सकता है। खोपड़ी पर कई दर्दनाक पस्ट्यूल और फोड़े होते हैं। अगर फंगल इंफेक्शन से परेशान हैं तो आपके घर में मौजूद कुछ चीजों से आप इससे छुटकारा पा सकते हैं। कुछ ऐसी चीज़ें जिनकी मदद से आप डैंड्रफ और फंगस इंफेक्शन से बच सकते हैं।

नीम

फंगल इंफेक्शन नीम की पत्तियों या इसके तेल से भी दूर किया जा सकता है। इसके लिए घर में नीम की पत्तियों का पेस्ट बना लें और उसमें थोडा सा नींबू का रस और थोड़ी हल्दी मिला लें। इस पेस्ट को बालों की जड़ो में 30 मिनट तक लगाकर छोड़ दें। जल्दी ही आपका इंफेक्शन दूर हो जाएगा। शरीर में कहीं खुजली महसूस हो तो नीम का लेप लगाने से फायदे मिलते हैं। इसके लिए आपको ज्यादा कुछ नहीं करना है बस नीम के ताजा पत्तों को पीसकर खुजली वाली जगह पर लगा लें। आपको बार-बार खुजाते रहने से राहत मिलेगी। स्किन ही नहीं सिर की खुजली को भी नीम दूर करता है। चेहरे के लिए नीम को कई तरीकों से इस्तेमाल किया जा सकता है. फोड़े-फुंसी हो जाने पर नीम की पत्तियों को पीसकर उसमें एक चुटकी हल्दी मिलाएं और चेहरे पर लगाएं। इससे त्वचा पर निखार भी आएगा।

दही

फंगल इंफेक्शन को रोकने के लिए दही काफी मददगार साबित हो सकता है। दही में मौजूद प्रोबायोटिक्स लैक्टिक एसिड बनाता है, जो फंगल इंफेक्शन की रोकथाम में मददगार होता है। अगर कम उम्र में ही आपके बाल सफेद होने लगते हैं तो आप बालों में दही का इस्तेमाल करें। इसके रेग्युलर इस्तेमाल से बालों को पोषण मिलता है और ये फिर से काले होने लगते हैं। अगर आपके बालों में अच्छी ग्रोथ नहीं है तो आपको बालों में दही लगाना चाहिए। ऐसा करने से आपके बाल बहुत मजबूत बनते हैं और लंबे होते हैं। अगर आपके बाल काफी ड्राई और फ्रिजी रहते हैं तो आप दही की मदद से बालों को सॉफ्ट बना सकती हैं।

एलोवेरा जेल

संजीवनी बूटी से कम नहीं है एलोवेरा। यह सिर में होने वाले इंफेक्शन को दूर करने में एलोवेरा जेल काफी कारगर साबित होता है। इसे बालों में लगाने से जलन, खुजली और रैशेज़ से राहत मिल सकती है। इंफेक्शन होने पर बालों की जड़ों में एलोवेरा जेल 30 मिनट तक लगाकर छोड़ दें। जल्दी ही आपको इस समस्या से मुक्ति मिल जाएगी। यह एंटीऑक्सीडेंट प्रॉपर्टीज सेल डैमेज को कम कर सकते हैं। एलोवेरा का एंटी-इंफ्लेमेटरी नेचर स्कैल्प इर्रिटेशन को कम करता है। स्कैल्प को मॉइस्चराइज़ करता है। इंग्रेडिएंट्स का एंटी-फंगल नेचर स्कैल्प को क्लीन करता है। एलोवेरा का इस्तेमाल स्किन इर्रिटेशन और फ्लेकिनेस को कम करने के लिए कई तरह से किया जा सकता है।

हंसना मना है

फेंकू- पप्पू, जल्दी से टीवी चालू कर, 30 फीट का सांप दिखा रहे हैं, पप्पू- अरे फेंकू, नहीं देख सकते हम, फेंकू- क्यों? पप्पू- क्योंकि हमारा टीवी 21 इंच का है ना।

लड़की- परसों मैं तुम्हें राखी बांधने आयी थी, पर तुमने नहीं बंधवाई क्यूं? लड़का- अगर मैं तेरे लिए मंगलसूत्र लाऊं तो क्या बंधवायेगी, बात करती है।

बेटा- मुझे शादी नहीं करनी! मुझे सभी औरतों से डर लगता है! पिता- शादी कर ले बेटा! फिर एक ही औरत से डर लगेगा, बाकी सब अच्छी लगेंगी।

बंता- तेरे घर से हमेशा हसने कि आवाज आती है, इतनी खुशी का राज क्या है? संता- मेरी बीवी मुझे जूते मारती है, लग जाये तो वो हसती है, नहीं लगे तो मैं हंसता हूं!

मैंने सुना है आप बहुत कमजोर हो गए हो, फिट रहने के लिए रोज 1 चम्मच खाया करो अंबुजा सिमेंट, क्योंकि इस सिमेंट में जान है!

पत्नी- शादी से पहले तुम मुझे होटल, सिनेमा, और न जाने कहां- कहां घुमाते थे, शादी हुई तो घर के बाहर भी नहीं ले जाते.. पति- क्या तुमने कभी किसी को.. चुनाव के बाद प्रचार करते देखा है।

कहानी | खटमल और जूं

एकस समय दक्षिण भारत में एक राजा राज किया करता था। राजा के बिस्तर में मंदरीसर्पिणी नाम की एक जूं रहा करती थी, हर रात जब राजा गहरी नींद में सो जाता,तो जूं अपने घर से बाहर निकलती, बड़े चाव से पेट भरकर राजा का खून चूसती और दोबारा जाकर छिप जाती। एक दिन राजा के बिस्तर में अग्निमुख नामक एक खटमल भी घुस आया। जब जूं ने उसे देखा, तो उसे बहुत गुस्सा आया। जूं उसके पास गई और उससे तुरंत वापस चले जाने को कहा। इस पर खटमल बोला, अरे जूं बहना, इस तरह का व्यवहार तो कोई अपने दुश्मन के साथ भी नहीं करता। मैं बहुत दूर से आया हूं और सिर्फ एक रात तुम्हारे घर रुक कर आराम करना चाहता हूं। खटमल की बातें सुनकर जूं का दिल पिघल गया। उसने कहा, ठीक है, तुम यहां रुक सकते हो, लेकिन तुम्हारे कारण राजा को कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए। जूं बहन, मैं बहुत दूर से आया हूं और बहुत भूखा हूं। वैसे भी, हर रोज कहां राजा का मीठा खून पीने का मौका मिलता है। आज राजा के खून का स्वाद चखने का मौका दे दो, जूं ने उसे राजा का खून चूसने की इजाजत दे दी। ठीक है, लेकिन उससे पहले तुम्हें राजा के गहरी नींद में सो जाने का इंतजार करना होगा। इस पर खटमल ने हां कर दिया और दोनों रात होने का इंतजार करने लगे। राजा का शरीर बहुत तंदुरुस्त था। यह देख कर खटमल के मुंह में पानी आ गया। जैसे ही राजा बिस्तर पर आकर लेटा, खटमल ने न आव देखा न ताव और सीधे जाकर राजा की मोटी तोंद पर जोर से काट लिया और फिर दौड़ कर पलंग के नीचे छिप गया। राजा दर्द के मारे चीख उठा और तुरंत अपने सिपाहियों को कमरे में बुला लिया। राजा ने सिपाहियों को आदेश दिया, सिपाहियों, इस बिस्तर में जरूर कोई खटमल या जूं है। उसे तुरंत ढूंढो और मार डालो। राजा के सिपाहियों ने बिस्तर पर ढूंढना शुरू किया, तो उन्हें बिस्तर में छिपी जूं मिल गई। उन्होंने तुरंत उस जूं को मार डाला और खटमल बच निकला। इस प्रकार खटमल की गलती के कारण बेचारी जूं मारी गई।

7 अंतर खोजें

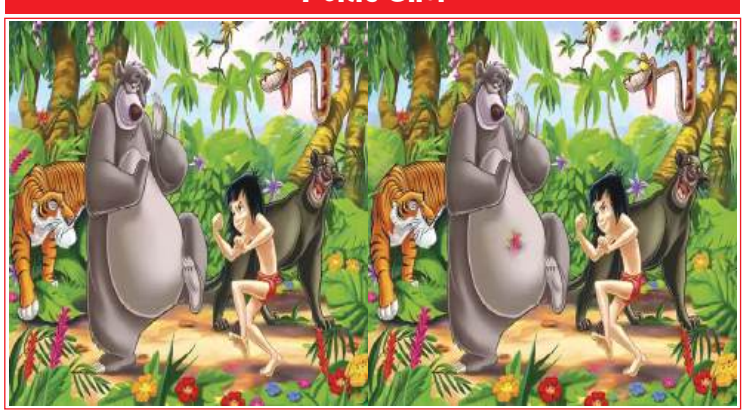

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बन सकता है। स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। धनार्जन होगा।

वृषभ

दु:खद समाचार प्राप्त हो सकता है। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। पुराना रोग उभर सकता है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

मिथुन

प्रयास सफल रहेंगे। पराक्रम वृद्धि होगी। सामाजिक कार्य करने का अवसर प्राप्त होगा। मान-सम्मान मिलेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेश शुभ रहेगा।

कर्क

दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। घर में अतिथियों का आगमन होगा। प्रसन्नता तथा उत्साह बने रहेंगे।

सिंह

अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। नौकरी में अधिकार वृद्धि हो सकती है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

कन्या

अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। विवाद से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। पुराना रोग उभर सकता है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। आय में निश्चितता रहेगा।

तुला

बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। प्रमाद न करें। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

वृश्चिक

नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। मान-सम्मान मिलेगा। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। व्यापार-व्यवसाय में मनोनुकूल लाभ होगा।

धनु

धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल लाभ देंगे। किसी बड़े काम की रुकावट दूर होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

मकर

यात्रा में जल्दबाजी न करें। शारीरिक कष्ट संभव है। पुराना रोग उभर सकता है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। हंसी-मजाक में हल्कापन न हो, ध्यान रखें।

कुम्भ

धनहानि की आशंका है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। थकान व कमजोरी रह सकती है। व्यापार व व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में चैन रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

मीन

स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। रोजगार में वृद्धि होगी। आय के नए साधन प्राप्त हो सकते हैं। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। नौकरी में रुतबा बढ़ेगा।

बॉलीवुड | मन की बात

मेरी सबसे ज्यादा डांट सलमान को झेलनी पड़ी है : सलीम खान

मशहूर स्क्रिप्ट राइटर सलीम खान ने हाल ही में अपने बेटे बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान के साथ अपने संबंधों के बारे में बात की। अपने रिश्ते में चुनौतियों और गर्मजोशी पर बातें करते हुए सलीम ने बताया कि जब उन्होंने अपने सभी बच्चों को डांटा है, सलमान को उनसे सबसे ज्यादा डांट झेलनी पड़ी है, क्योंकि वह सबसे बड़े हैं। सलीम ने खुलासा किया कि सलमान ने एक बार कहा था कि कैसे उनकी आदतें उनके पिता से मिलती-जुलती हैं। सलीम ने ईमानदारी और ह्यूमर के साथ जवाब दिया, बेटा, यह तुम्हारे लिए तारीफ हो सकती है, लेकिन मेरे लिए नहीं। प्लीज ये समझें कि मैं नहीं चाहता कि मेरी कोई आदत तुम पाओ। उन्होंने बताया कि कैसे उन्होंने अपने पिता से अलग तरह के पिता बनने की कोशिश की। बचपन में उन्हें जो डर लगता था, उसे याद करते हुए सलीम ने कहा कि उन्हें अपने पिता के चमड़े के जूतों की आवाज सुनकर ही डर लगता था। इसके विपरीत, वह हमेशा चाहते थे कि उनके अपने बच्चे यह महसूस करें कि वे उनके दोस्त बन सकते हैं। उनके बीच करीबी रिश्ते के बावजूद, बुरे दौर भी आए हैं। सलीम ने स्वीकार किया कि कई बार उन्होंने सलमान से लंबे समय तक बात नहीं की। अगर सलमान कुछ ऐसा करते जो उन्हें पसंद नहीं आता तो सलीम लगातार छह महीने तक उनसे दूरी बनाए रखते हैं। उन्होंने कहा, हां, ऐसा हुआ है। उन्होंने कहा कि जब वह गुस्से में होते थे तो सलमान कभी-कभी टकराव से बचने के लिए घर से बाहर निकल जाते थे, बाद में वापस आकर अपनी गलती मानते हुए माफी मांगते थे। सलीम ने यह भी बताया कि कैसे सफलता कभी-कभी एक व्यक्ति के रूप में विकास को प्रभावित कर सकती है। उन्होंने कहा, जब एक क्रिकेट खिलाड़ी सफलता हासिल करता है तो वह केवल अपने खेल पर ध्यान केंद्रित करता है और किसी और चीज पर नहीं, जिसका मतलब ये है कि एक इंसान के रूप में जमीन से जुड़े रहना और विकसित होना पेशेवर सफलता जितना ही महत्वपूर्ण है।

फिर केबीसी 17 की हाट सीट पर सवाल पूछते नजर आयेंगे बिग बी

14 अप्रैल से 'केबीसी 17' के लिए करा सकते हैं रजिस्ट्रेशन

सदी के महानायक अमिताभ बच्चन फिर से दर्शकों के लिए कौन बनेगा करोड़पति का नया सीजन लेकर आ रहे हैं। अभी फरवरी महीने में ही केबीसी का पिछला सीजन समाप्त हुआ था। उम्र के इस पड़ाव में भी बिग बी की फुर्ती देख उनके फैंस हैरान हैं। आगामी सीजन का प्रोमो जारी हो चुका है। आइए जानते हैं हॉट सीट पर बैठने की दावेदारी कब से कर सकते हैं आप।

सोनी टीवी ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो जारी किया है, जिसके कैप्शन में लिखा है, तैयार हो जाइए 14 अप्रैल से हॉट सीट पर आने के लिए।' साथ ही लिखा है, केबीसी के रजिस्ट्रेशन और हमारे अमिताभ बच्चन के सवाल शुरू होने ही वाले हैं। इस बात से यह पता चला कि 14 अप्रैल से 'केबीसी 17' के लिए आप रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं, जिसमें बिग बी द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब देना होगा। बहुत जल्द केबीसी के नए सीजन का प्रसारण शुरू हो सकता है।

कौन बनेगा करोड़पति के 17वें सीजन का प्रोमो सोनो टीवी ने जारी किया है। इसके प्रोमो में अमिताभ बच्चन एक डॉक्टर से अपने पेट के दर्द को दिखा रहे हैं, जिसमें उनके बीमारी का कारण नहीं पता चल रहा है। फिर डॉक्टर ने कहा जरूर आप कोई बात छुपा रहे हैं, इसीलिए दर्द हो रहा है। फिर बिग बी केबीसी17 से जुड़ी बाते बताते हैं, जिसमें वह शो के रजिस्ट्रेश डेट का खुलासा करते हैं।

कुछ महीने पहले ही खत्म हुआ था पिछला सीजन

बिग बी के फैंस उनके इतनी जल्दी नए सीजन से वापसी से हैरान हैं। केबीसी का 16वां सीजन अभी फरवरी में ही समाप्त हुआ था। अब इतनी जल्दी नए सीजन का ऐलान और वापसी ने लोगों को असमंजस में डाल दिया है। 82 की उम्र में काम को लेकर बिग बी की फुर्ती युवाओं के लिए प्रेरणा का विषय है।

अब 'खतरों के खिलाड़ी 15' का हिस्सा बनेंगी धनश्री वर्मा

धनश्री वर्मा का नाम इन दिनों चर्चा में बना हुआ है। क्रिकेटर युजवेंद्र चहल से तलाक के बाद अब खबरें आ रही हैं कि वह रोहित शेट्टी के रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी 15 में हिस्सा ले सकती हैं। आइडब्ल्यूएम बज की एक रिपोर्ट के मुताबिक शो के मेकर्स ने धनश्री से संपर्क किया है। अगर सब कुछ ठीक रहा तो वह इस शो की प्रतियोगी बन सकती हैं। हालांकि, धनश्री की ओर से अभी तक इस बारे में कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। धनश्री पहले भी रियलिटी शो का हिस्सा रह चुकी हैं। साल 2023 में उन्होंने झलक दिखला जा 11 में अपने डांस का हुनर दिखाया था। उस दौरान युजवेंद्र चहल भी शो पर पहुंचे थे और उन्होंने उनका हौसला बढ़ाया था, लेकिन अब दोनों के रास्ते अलग हो चुके हैं।

धनश्री और चहल की शादी 2020 में हुई थी। 18 महीने तक अलग रहने के बाद 20 मार्च 2025 को दोनों का तलाक हो गया। चहल के वकील नितिन कुमार गुप्ता ने एएनआई को जानकारी दी कि कोर्ट ने तलाक की मंजूरी दे दी है। अब वे दोनों पति-पत्नी नहीं रहे।

तलाक के बाद एक और खबर सामने आई। बताया जा रहा है कि चहल ने धनश्री को चार करोड़ 75 लाख रुपये का स्थायी गुजारा भत्ता देने की सहमति दी थी। इसमें से दो करोड़ 37 लाख रुपये धनश्री को मिल चुके हैं, लेकिन बाकी रकम का भुगतान न होने की वजह से फैमिली कोर्ट ने इसे नियमों का उल्लंघन माना है।

जिंदगी में आगे बढ़ चुके हैं दोनों

धनश्री की बात करें तो वह तलाक के बाद अपने काम में व्यस्त हैं। जिस दिन उनका तलाक हुआ, उसी दिन उनका नया म्यूजिक वीडियो देखा जी देखा मैंने रिलीज हुआ। यह गाना बेवफाई की कहानी बयान करता है। दूसरी ओर, युजवेंद्र चहल भी अपनी जिंदगी में आगे बढ़ते दिख रहे हैं। तलाक के बाद उन्हें अपनी दोस्त आरजे महवाश के साथ क्रिकेट स्टेडियम में देखा गया। दोनों साथ में मैच का लुत्फ उठाते नजर आए।

अजब-गजब | यहां हर साल बड़े धूमधाम से मनाया जाता है गणगौर का मेला

जोधपुर के इस मेले में देवर व अन्य कुंवारे लड़कों पर भाभियां बरसाती हैं लाठियां, तब होती है शादी

जोधपुर। राजस्थान के दूसरे बड़े जिले जोधपुर को प्रदेश की सांस्कृतिक राजधानी के रूप में इसलिए भी जाना जाता है क्योंकि यहां के पर्व और त्योहार अपने आप में इसकी मिसाल है। त्योहारों की कड़ी में 16 अप्रैल को भीतरी शहर में बेंतमार गणगौर का मेला होगा। 16 अप्रैल की रात भीतरी शहर में महिलाओं का राज रहेगा। इस प्राचीन परम्परा का उत्साह के साथ आज भी निर्वहन किया जाता है। 16 अप्रैल की रात महिलाएं स्वांग रचकर शहर की सड़कों पर राज करेंगी, जिसे धींगा गंवर या बैंतमार गणगौर के नाम से जाना जाता है। पूरे देश भर में जोधपुर ही एक ऐसा शहर है जहां एक ऐसा अनोखा उत्सव मनाया जाता है जिसमें महिलाएं पुरुषों की पिटाई करती हैं। राजस्थान के जोधपुर में मनाए जाने वाले इस उत्सव का नाम है धींगा गवर। इस उत्सव को 'बेंतमार गणगौर' के रूप में भी जाना जाता है।

बताया जाता है कि पुराने समय में भाभी अपने देवर और अन्य कुंवारे युवकों को प्यार से छड़ी मारकर बताती थीं कि यह कुंवारा है और रिश्ते की बात चल रही है। ऐसे में साथ वाली महिलाएं भी प्यार से बेंत मारकर कहती थीं-बात पक्की हो जाएगी और अब जल्द शादी भी हो जाएगी। बेंतमार के इस मेले में जब महिला स्वांग रचकर सड़क पर निकलती हैं तो उनके सामने जो भी पुरुष आता है वे उन्हें पीटती हैं। महिलाओं की बेंत के आगे हर पुरुष भागता हुआ नजर आता है। इस मेले की सबसे खूबसूरत बात यह है कि कोई भी पुरुष महिलाओं की बात का बुरा नहीं मानता फिर चाहे वह जान पहचान वाला हो या अनजान हो।

शहर में जगह-जगह स्थापित होने वाली गवर को विशेष रूप से सजाया जाता है। बात सुनारों के मोहल्ले में लगाई गई गवर की करें, तो यहां गवर को 4 किलो से अधिक सोने से सजाया जाता है। इस सोने की कीमत 1 करोड़ से अधिक होती है। शहर में कई जगह गवर स्थापित की जाती है जिसे इसी तरह सोने से सजाया जाता है।

एक ऐसा गांव जहां रात में नहीं ठहरते सुनार 200 साल से नहीं बना 2 मंजिला मकान

जोधपुर। दुनिया विज्ञान के क्षेत्र में कितनी आगे बढ़ गई है, लेकिन जोधपुर का एक ऐसा गांव है जहां 200 साल पहले बैरागी हरिराम महाराज के द्वारा कहे गए वचनों की पालना आज भी हो रही है। जोधपुर से करीब 20 किलोमीटर दूर जोधपुर बाड़मेर हाईवे के नजदीक डोली गांव में लोग ना तो दो मंजिला मकान बनाते हैं, ना ही सोनार का कार्य करने वाले सुनार रात को गांव में रुकते हैं और ना ही इस गांव में तेल की कोई घाणी लगती है। इसके अलावा अगर कहीं किसी के मकान में आग लग जाती है तो वे आग आगे नहीं फैलती है। बताया जाता है कि राजा महाराजाओं के समय कविराज मुरारी लाल जी चारण, जोकि यहां के राजा के द्वारा ख्याति प्राप्त थे, उन्हें जोधपुर राजा द्वारा 12 गांव दिए हुए थे। इनमें यह डॉली गांव भी शामिल था। कवि मुरारी लाल ने बैरागी महाराज से गांव में करणी माता का मंदिर बनाए जाने की बात कही। ग्रामीणों ने बताया कि आज से 200 साल पहले इस गांव में हरिराम बैरागी महाराज तपस्या किया करते थे। उन्होंने अपनी तपस्या स्थल के समय एक सूखी लकड़ी की डंडी को लगाया था जो खेजड़ी के वृक्ष के तौर पर आज भी गांव में मौजूद है। उन्होंने ही ग्रामीणों को गांव के चारों तरफ कच्चे दूध और सूखे नारियल की ज्योत के साथ गोल घेरा बनाकर आरती करने की सलाह दी थी। मान्यता है कि ऐसा करने की वजह से ही गांव में कोई संकट नहीं आया। कोरोना महामारी के समय में भी इस गांव में कोई आपदा नहीं हुई थी। उस समय संत ने जिस जगह पर लकड़ी का डंडा रोपा था, वहां पर खेजड़ी का एक बड़ा वृक्ष हो गया। पूरे गांव में संत के प्रति आस्था की वजह से कोई भी व्यक्ति दो मंजिल का मकान नहीं बनाता है। इसके बाद गांव में केवल एक मंजिल ही मकान बनता है। कहा जाता है कि कुछ लोगों ने पौराणिक मान्यताओं को ना मानकर गांव में दो मंजिला मकान बनाए। लेकिन वे उस घर में रह नहीं पाए। किसी को अलग-अलग आवाज सुनाई देने लगीं, तो किसी के परिवार में अकाल मृत्यु होने लगी। कहीं किसी के परिवार में सभी बीमारी से ग्रसित हो गए।

अनशन खत्म किया है आंदोलन नहीं : डल्लेवाल

किसान नेता ने 131 दिन बाद खत्म किया अनशन

» कृषि मंत्री ने किसान नेता से की थी अपील

» चार मई को होगी केंद्र और किसानों की बैठक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। संयुक्त किसान मोर्चा गैर राजनीतिक द्वारा सरकार के समक्ष एमएसपी मांग को लेकर शुरू किए गए अनशन को शहीदों की धरती फतेहगढ़ साहिब की अनाज मंडी में की महा पंचायत दौरान किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल ने 131 दिन बाद अपना आमरण अनशन समाप्त कर दिया है। इससे पहले गुरुद्वारा श्री फतेहगढ़ साहिब के मुख्य ग्रंथी भाई हरपाल सिंह ने उनके अनशन की समाप्ति पर अरदास की और किसान आंदोलन की बेहतरी के लिए भी अरदास की और डल्लेवाल को पानी पिलाकर उनका अनशन खत्म करवाया।

पत्रकारों से बातचीत दौरान डल्लेवाल ने कहा कि यह अनशन खत्म हुआ है ना कि आंदोलन, आंदोलन पहले से 10 गुना ज्यादा मजबूती से आंदोलन जारी रहेगा। केंद्र सरकार के कृषि मंत्री द्वारा उनको बैठक में 4 तारीख की बैठक में हिस्सा लेने की अपील की गई है। सरकार को कोई गलतफहमी ना हो हम अपने साथियों सहित इस बैठक में हिस्सा जरूर लेंगे और दलीलों अपीलों के साथ सरकार पर अपनी किसने की मांगों को लेकर अपनी मांगे रखी जाएगी। उनका आंदोलन ना तो खत्म हुआ है और ना ही मांगे पूरी होने तक खत्म होगा। हमारा किसी भी किसान संगठन से कोई निजी लड़ाई नहीं है विचारों की लड़ाई है विचारों का आपसी ना मिलना इसको लड़ाई की संज्ञा देना गलत है किसान अपने मिशन पर लगे हुए हैं कभी ना कभी किसान आंदोलन की जीत जरूर होगी।

भगवान जब जन्म देता है तो उसके कर्म भी साथ देता है

आज खत्म किए गए अनशन पर जगजीत सिंह डलेवाल ने कहा कि भगवान जब जन्म देता है तो उसके कर्म हर व्यक्ति को साथ में देता है जो जो भगवान ने मेरे से मेरे कर्मों के अनुसार करवाया वह मेरे कर्म थे। अनशन खत्म करना भी मेरा निजी फैसला नहीं था। आगे भी जो होगा वह भगवान की इच्छा से ही होगा। डल्लेवाल ने कहा कि किसानों ने आंदोलन किया सरकार एमएसपी की बात को सुनने को तैयार नहीं थी आज एमएसपी की मुद्दा बनकर उभरा है इसी बात को लेकर किसानों और केंद्र सरकार के बीच बैठक होने जा रही है। हम इस बैठक में हिस्सा जरूर लेंगे।

जो पीछे से हमला करता है, वह हमेशा हार जाता है

घबराने की कोई जरूरत नहीं है। यह अब एक हारी हुई सरकार है क्योंकि जो पीछे से हमला करता है, वह हमेशा हार जाता है। दोनों सरकारों ने हमें बैठकों में बुलाया और हमें गिरफ्तार किया, हमारे किसानों को नेतृत्वहीन छोड़ दिया। उन्होंने हमारे सभी नेताओं को उठा लिया और उन्हें जेल में डाल दिया।

किसान मोर्चा विफल करना कायरता की बात है

डल्लेवाल ने कहा कि सरकार ने हमारे 1500-1600 साथियों को कैद कर लिया और फिर हमारे मोर्चे को विफल कर दिया। यह बहादुरी की बात नहीं है, यह कायरता की बात है। मैं पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से एक बात कहना चाहता हूं कि आप धोखे से मोर्चे को हटा सकते हो, लेकिन हमारे दिलों में हमारी मांगें पूरी होने की भावना को कैसे खत्म करेंगे? यह युद्ध जारी है और हमें हर कीमत पर जीतना होगा। उन्होंने कहा कि हम भगवंत मान को बताना चाहते हैं कि मोर्चा जारी है।

मेरा झोला ढोने वाले मंत्री बने बैठे हैं: सहनी

» बोले- बिहार में हम बड़ी लड़ाई की तैयारी कर रहे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुजफ्फरपुर। बिहार सरकार में पूर्व मंत्री और विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के सुप्रीमो मुकेश सहनी ने गायघाट प्रखंड में आयोजित एक धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रम में भाग लिया। बाबा अमरसिंह और केवल महाराज की पूजा में शामिल होने के बाद उन्होंने जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान मुकेश सहनी ने पिछड़े, अति पिछड़े और निषाद समाज के अधिकारों को लेकर भावुक अपील की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और वीआईपी के कार्यकर्ता मौजूद थे, जिन्होंने फूल मालाओं और नारों के साथ सहनी का भव्य स्वागत किया। उन्होंने मंच से लोगों से कहा कि एक रोटी कम खाइए, लेकिन अपने बच्चों को जरूर पढ़ाइए।

शिक्षा ही समाज को ऊपर उठाने का सबसे बड़ा हथियार है। मुकेश सहनी ने अपने राजनीतिक विरोधियों पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने बिना नाम लिए इशारा करते हुए कहा कि जो लोग कल तक मेरा झोला उठाते थे, वे आज भारत सरकार में मंत्री बने बैठे हैं। ये सिर्फ मुझे कमजोर करने की साजिश थी। उन्होंने दो टूक कहा कि उन्हें झुकाने की बहुत कोशिशें की गईं, लेकिन जब तक जनता का आशीर्वाद उनके साथ है, उन्हें कोई हरा नहीं सकता। उन्होंने कहा कि वे स्वर्गीय रामविलास पासवान, लालू प्रसाद यादव जैसे नेताओं को अपना प्रेरणास्रोत मानते हैं और उनकी लड़ाई गरीब, पिछड़े और अति पिछड़े वर्गों के लिए जारी है। उन्होंने कहा कि मैं हार मानने वाला नहीं हूं और यह लड़ाई एक दिन हमें मंजिल जरूर दिलाएगी।

जीत की पटरी पर लौटने उतरेंगी मुंबई और बेंगलुरु

» रोहित और विराट के प्रदर्शन पर रहेगी नजर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। आईपीएल 2025 का 20वां मुकाबला मुंबई इंडियंस और आरसीबी के बीच आज खेला जाएगा। वानखेड़े में खेले जाने वाले इस मैच में मुंबई के सामने आरसीबी के गेंदबाजों की चुनौती होगी। दोनों टीमें जीत की पटरी पर लौटना चाहेंगी। पांच बार के चैंपियन मुंबई को अभी तक चार मैच में से तीन में पराजय का सामना करना पड़ा है। उसके बल्लेबाज अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं तथा अभी तक उसकी तरफ से सूर्यकुमार यादव और रेयान रिकेल्टन ही अर्धशतक लगा पाए हैं।

मुंबई के बल्लेबाजी में संघर्ष के केंद्र में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा हैं जो अभी तक कुछ खास योगदान नहीं दे पाए हैं। वहीं जसप्रीत बुमराह चार महीने बाद मैदान पर वापसी के लिए तैयार हैं। जनवरी से चोट के कारण बाहर चल रहे बुमराह आईपीएल में हिस्सा लेने के लिए मुंबई टीम के साथ जुड़ गए हैं। मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच माहेला जयवर्धने ने इस बात की पुष्टि कर दी है कि बुमराह इस मैच के लिए उपलब्ध होंगे। वह पीठ में चोट के कारण लंबे समय से मैदान से बाहर चल रहे थे और उन्होंने बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैब प्रक्रिया पूरी करने के बाद वापसी की है। वहीं से विराट कोहली से आरसीबी को अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी जो केकेआर के खिलाफ 59 रन बनाने के बाद अपेक्षित योगदान नहीं दे पाए हैं। आरसीबी के पास जोश हेजलवुड और भुवनेश्वर कुमार के रूप में मजबूत तेज गेंदबाजी आक्रमण है लेकिन उसके स्पिनर अभी तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं।

चार महीने बाद वापसी करेंगे बुमराह

गुजरात ने दर्ज की लगातार तीसरी जीत

हैदराबाद। सनराइजर्स हैदराबाद ने रविवार को गुजरात के खिलाफ मुकाबला गंवा दिया। मेहमानों ने उन्हें सात विकेट से हराकर इस सत्र की लगातार तीसरी जीत दर्ज की। मैच में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी हैदराबाद ने 20 ओवर में आठ विकेट खोकर 152 रन बनाए। जवाब में गुजरात ने 16.4 ओवर में तीन विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। यह हैदराबाद की इस सत्र की चौथी शिकस्त है। लगातार तीसरी जीत के साथ शुभमन गिल के नेतृत्व वाली टीम अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गई। उनके खाते में छह अंक हो गए हैं और नेट रन रेट में भी सुधार हुआ है। वहीं, पैट कमिंस की अगुआई वाली टीम 10वें स्थान पर है।

रामनवमी पर मप्र में गरमाई सियासत

» दिग्विजय पर भाजपा नेता रामेश्वर शर्मा का हमला

» बोले- राम का चरित्र नहीं तो राम का सदाचार कैसे आएगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मध्य प्रदेश। रामनवमी के अवसर पर मध्य प्रदेश में सियासी बयानबाजी का पारा भी चढ़ गया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यंत्री दिग्विजय सिंह के रामनवमी पर शुभकामनाएं देने के संदेश पर भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने पलटवार किया है। दिग्विजय ने रामनवमी पर अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर देशवासियों को रामनवमी और दुर्गा नवमी की शुभकामनाएं दी। उन्होंने लिखा कि भगवान राम के आदर्शों को जीवन में अपनाने की बात की। इस पर भाजपा नेता और विधायक रामेश्वर शर्मा ने पलटवार किया।

उन्होंने कहा कि यदि किसी व्यक्ति में राम का चरित्र नहीं है, तो वह राम के सदाचार को कैसे अपना सकता है। उन्होंने दिग्विजय से पूछा कि यदि वे राम के चरित्र को स्वीकार नहीं करते तो राम का सदाचार उनके जीवन में कैसे आएगा। शर्मा ने कहा, राम मंदिर से लेकर संगम स्नान तक कांग्रेस ने हमेशा हिंदू विरोधी रवैया अपनाया है। उन्होंने कहा कि दिग्विजय को राम के चरित्र की सही समझ के लिए अयोध्या जाना चाहिए और वहां राम की जन्मभूमि पर माथा टेकना चाहिए। सरयू नदी में डूबकी लगाना चाहिए। शर्मा ने कहा कि कांग्रेस को भाजपा की आलोचना करने का अधिकार है, लेकिन राम का विरोध करने से राम का सदाचार कैसे आएगा। इसको लाने के लिए दिग्विजय सिंह और पूरी कांग्रेस को लेकर जाना चाहिए और भगवान राम के आगे माथा टेकना चाहिए।

रामनवमी यात्रा कोई राजनीतिक रैली नहीं : लॉकेट चटर्जी

भाजपा की नेता लॉकेट चटर्जी ने आरोप लगाया कि कोलकाता के न्यू टाउन इलाके में पुलिस ने रामनवमी जुलूस को रोक दिया, जिसका नेतृत्व वह कर रही थीं, जिससे कार्यक्रम को अपना मार्ग बदलने पर मजबूर होना पड़ा। न्यू टाउन में राम मंदिर से शुरू हुआ जुलूस शहर के उत्तरी हिस्से में स्थित केस्टोपुर के पास बाधाओं का सामना करना पड़ा, जब उसने साल्ट लेक में प्रवेश करने की कोशिश की। पुलिस ने एयरपोर्ट को जोड़ने वाली वीआईपी सड़क पर बैरिकेड्स लगा दिए, जिससे चटर्जी और पुलिस अधिकारियों के बीच तीखी बहस हुई। बाद में उन्होंने प्रतिभागियों से आगे के संघर्ष से बचने के लिए वैकल्पिक मार्ग अपनाने का आग्रह किया। चटर्जी ने जोर देकर कहा यह कोई राजनीतिक रैली नहीं है, यह एक आध्यात्मिक सभा है जिसमें लोग स्वेच्छा से भाग लेते हैं।

भाजपा सरकार से जनता एक ही साल में त्रस्त हो गई : धीरज

» कांग्रेस का राजस्थान सरकार पर प्रहार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव उत्तर प्रदेश के सह प्रभारी पूर्व राज्यमंत्री धीरज गुर्जर ने कहा कि राजस्थान में भाजपा की सरकार से जनता एक वर्ष में ही त्रस्त हो चुकी है। जनता मूलभूत सुविधाओं के लिए भी तरस रही है। गुर्जर ने कहा कि सरकार को राजनैतिक दुर्भावना छोड़कर जनता की सुध लेनी चाहिए। राजस्थान बीज निगम के पूर्व निदेशक चर्मेश शर्मा ने कहा कि युवाओं के साथ रोजगार के नाम पर छलावा किया जा रहा है।

युवा कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष संजय तंबोली ने कहा कि कांग्रेस गांव, गरीब, किसान की पार्टी है, जो सभी वर्गों को साथ लेकर चलती है। बूंदी पहुंचे गुर्जर का देवसेना के जिलाध्यक्ष जीएल टाइगर के नेतृत्व में बड़ी संख्या में गुर्जर समाज के प्रतिनिधियों ने स्वागत किया।

भाजपा की अब ईसाई और बौद्ध समाज की जमीन पर नजर: उद्धव

बीजेपी पर शिवसेना- यूबीटी का जोरदार हमला, बोले- प्रभू राम का नाम लेने के लायक नहीं बीजेपी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने आरोप लगाया कि वक्फ कानून लागू करने के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अब अपने दोस्तों के लिए ईसाइयों, जैनियों, बौद्धों और यहां तक कि हिंदू मंदिरों की जमीन पर नजर गड़ाए हुए है। एनसीपी (सपा) नेता जितेंद्र आव्हाड ने भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के मुखपत्र ऑर्गनाइजर में छपे एक लेख का हवाला देते हुए इसी तरह का आरोप लगाया।

ठाकरे ने अपने पूर्व सहयोगी भाजपा को सलाह दी कि वह भगवान राम की तरह व्यवहार करे। उन्होंने कहा कि वक्फ कानून के बाद अगला कदम ईसाइयों, जैनियों, बौद्धों और यहां तक कि हिंदू मंदिरों की जमीन पर नजर गड़ाए हुए होगा। वे अपने दोस्तों को प्रमुख जमीन देंगे। उन्हें किसी भी समुदाय से कोई प्यार नहीं है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 5 अप्रैल को वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025 को अपनी मंजूरी दे दी, जिसे इस सप्ताह की शुरुआत में संसद ने पारित किया था। सरकार का कहना है कि यह कानून देश में मुस्लिम धार्मिक बंदोबस्त से संबंधित सुधारों की शुरुआत करेगा। ठाकरे ने ऑर्गनाइजर के लेख का हवाला देते हुए कहा कि उन्होंने इसे सार्वजनिक कर दिया है और सभी को अपनी आँखें खोल लेनी चाहिए। ऐसा लगता है कि यह लेख तब से अप्रकाशित है। ठाकरे शिव संचार सेना के शुभारंभ के दौरान बोल रहे थे, जो पार्टी की आईटी और संचार शाखा होगी। जब उनसे पूछा गया कि क्या सेना (यूबीटी) अन्य विपक्षी दलों की तरह वक्फ विधेयक को लेकर अदालत का दरवाजा खटखटाएगी, तो उन्होंने नकारात्मक जवाब दिया।

देशभर में ईसाइयों के गिरजाघरों पर हमले कर रहा संघ परिवार : सतीशन

कोच्चि। केरल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष वी डी सतीशन ने आरोप लगाया कि संघ परिवार के समर्थन से देशभर में ईसाई समुदाय के लोगों और उनके गिरजाघरों (चर्च) पर हमले हो रहे हैं। मध्यप्रदेश के जबलपुर में ईसाई पादरियों पर दक्षिणपंथी कार्यकर्ताओं द्वारा कथित हमले के पीड़ितों में से एक पादरी डेविस जॉर्ज के घर का दौरा करने के बाद सतीशन ने संवाददाताओं से कहा कि पादरी जॉर्ज और अन्य लोगों को इन हमलों के तहत निशाना बनाया गया। उन्होंने जॉर्ज के परिवार के साथ एकजुटता व्यक्त की। सतीशन ने ओडिशा में हुई एक ऐसी ही घटना का हवाला दिया, जहां पुलिस ने कथित तौर पर एक गिरजाघर में प्रवेश किया और एक पादरी और उसके साथी पर हमला किया। उन्होंने बताया कि पादरी का साथी गंभीर रूप से घायल हो गया है और फिलहाल अस्पताल में भर्ती है। सतीशन ने यह भी बताया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

(आरएसएस) के मुखपत्र 'ऑर्गनाइजर' में वक्फ (संशोधन) विधेयक के बाद ईसाइयों के स्वामित्व वाली सात करोड़ हेक्टेयर भूमि को पुनः प्राप्त करने का आह्वान किया गया था तथा केंद्र सरकार से कार्रवाई करने का आग्रह किया गया था। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि इस तरह के हमले कई राज्यों में हो रहे हैं, जिनमें कई पादरी जेल में बंद हैं। उन्होंने दावा किया कि जब ईसाइयों के खिलाफ शिकायत दर्ज की जाती है तो उन्हें धर्मांतरण विरोधी कानूनों के तहत जेल भेजा जाता है।

वक्फ की सारी जमीन भाजपा के उद्योगपति मित्रों के पास चली जाएगी : संजय राउत

ठाकरे की पार्टी के सहयोगी संजय राउत ने कहा कि भविष्य में वक्फ की सारी जमीन भाजपा के उद्योगपति मित्रों के पास चली जाएगी। राउत ने कहा कि भाजपा को गरीबी पर बात नहीं करनी चाहिए और दावा किया कि पिछले साल विधानसभा चुनावों से पहले उसके द्वारा खर्च किया गया पैसा महाराष्ट्र के बजट के बराबर है। इस बीच, एनसीपी (सपा) नेता जितेंद्र आव्हाड ने दावा किया कि मुसलमानों को निशाना बनाने के बाद अब देश में ईसाइयों की बारी है। थाने के कलवा-मुंब्रा निर्वाचन क्षेत्र के विधायक ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि आरएसएस के मुखपत्र ने दावा किया है कि वक्फ बोर्ड नहीं बल्कि कैथोलिक चर्च ऑफ इंडिया देश का सबसे बड़ा भूमिधारक है।

प्राथमिकी के खिलाफ कोर्ट पहुंचे कुणाल कामरा

4पीएम न्यूज नेटवर्क

मुंबई। 'स्टैंड-अप कॉमेडियन' कुणाल कामरा ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणी को लेकर शहर पुलिस द्वारा दर्ज प्राथमिकी को रद्द किए जाने का अनुरोध करते हुए बंबई उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है।

कामरा के वकील नवरोज सीरवई ने सोमवार को न्यायमूर्ति सारंग कोतवाल और न्यायमूर्ति एस एम मोदक की पीठ के समक्ष याचिका का उल्लेख करते हुए तत्काल सुनवाई किए जाने का अनुरोध किया। सीरवई ने पीठ से कहा कि कामरा को मद्रास उच्च न्यायालय से सोमवार तक अंतरिम राहत मिली है लेकिन इसके बावजूद मुंबई पुलिस उन्हें पेश होने के लिए समन जारी कर रही है। पीठ ने कहा कि वह मंगलवार को याचिका पर सुनवाई करेगी। कामरा ने पांच अप्रैल को उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी। कामरा की याचिका में दावा किया गया है कि उनके खिलाफ दर्ज शिकायतें अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, कोई भी पेशा अपनाने एवं व्यवसाय करने का अधिकार और भारत के संविधान के तहत प्रदत्त जीवन एवं स्वतंत्रता के अधिकार समेत उनके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करती हैं। कामरा को उनके खिलाफ दर्ज मामले में मद्रास उच्च न्यायालय से सात अप्रैल तक अंतरिम अग्रिम जमानत पिछले महीने मिल गई थी। वह तमिलनाडु के स्थायी निवासी हैं।

पूर्व विधायक विनय शंकर तिवारी के ठिकानों पर छापे

» गोरखपुर, लखनऊ, मुंबई सहित दस जगहों पर ईडी ने की कार्रवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा नेता और चिल्लूपार सीट से पूर्व विधायक विनय शंकर तिवारी के गोरखपुर, लखनऊ, नोएडा और मुंबई के ठिकानों सहित देश में करीब दस जगहों पर ईडी ने एक साथ रेड डाली है। सोमवार की सुबह हुई इस कार्रवाई को एक साथ अंजाम दिया गया।

सूत्रों के अनुसार ईडी ने उनके खिलाफ चार्जशीट तैयार कर ली थी। जल्द ही उसे कोर्ट में पेश किया जाना है।

ईडी की जांच में सामने आया था कि मेसर्स गंगोत्री एंटरप्राइजेज लिमिटेड ने अपने प्रमोटरों, निदेशकों, गारंटरों के साथ मिलकर बैंक ऑफ इंडिया के नेतृत्व वाले सात बैंकों के कंसोर्टियम से 1129.44 करोड़ रुपये की क्रेडिट सुविधाओं का लाभ लिया था। बाद में इस रकम को उन्होंने अन्य कंपनियों में डायवर्ट कर दिया और बैंकों की रकम को वापस नहीं किया। इससे बैंकों के कंसोर्टियम को करीब 754.24 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था।

वक्फ कानून के खिलाफ दायर याचिकाओं का तत्काल सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट सहमत

» वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने दी दलील

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने अपनी याचिका में कहा है कि यह कानून ''देश के संविधान पर सीधा हमला है। संविधान अपने नागरिकों को न केवल समान अधिकार प्रदान करता है बल्कि उन्हें पूर्ण धार्मिक स्वतंत्रता भी देता है।''उच्चतम न्यायालय ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं को सूचीबद्ध करने को लेकर विचार करने पर सोमवार को

सहमति व्यक्त की।

भारत के प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना की अगुवाई वाली पीठ ने जमीयत उलेमा-ए-हिंद की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल की इन दलीलों पर गौर किया कि याचिकाओं को तत्काल सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किए जाने की जरूरत है।सिब्बल ने कहा कि कई अन्य याचिकाएं पहले ही दायर की जा चुकी हैं। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, ''मैं दोपहर में उल्लेख पत्र देखूंगा और फैसला करूंगा।

हम इसे सूचीबद्ध करेंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025 को शनिवार को अपनी मंजूरी दे दी जिसे पहले संसद के दोनों सदनों ने पारित कर दिया था। न्यायालय में इस कानून की वैधता को चुनौती देने वाली कई याचिकाएं दायर की गई हैं जिनमें से एक याचिका 'समस्त केरल जमीयतुल उलेमा' की भी है।

जब तक मैं जिंदा हूं, किसी की जॉब नहीं जाएगी: ममता बनर्जी

» सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर टीचर्स से बोलीं बंगाल की मुख्यमंत्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने हाल ही में एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि जब तक वह जिंदा हैं, कोई भी योग्य शिक्षक अपनी नौकरी नहीं खोएगा। यह बयान उन्होंने सुप्रीम कोर्ट द्वारा भ्रष्टाचार के आरोपों में कई शिक्षकों को नौकरी से हटाए जाने के बाद दिया।

ममता बनर्जी ने इस बात का दर्द जताते हुए कहा, मेरा दिल बहुत दुखी है मुझे डर है कि मैं अगर इस बारे में बोलूंगी, तो मुझे जेल हो सकती है, लेकिन मैं फिर भी बोल रही हूं. अगर कोई मुझे चुनौती देगा, तो मुझे उसका जवाब देना आता है।

उन्होंने यह भी कहा कि यह उनका संकल्प है कि वह योग्य शिक्षकों की नौकरी की सुरक्षा करेंगी और किसी को भी उनकी नौकरी छीनने नहीं देंगी ममता का यह बयान राज्य में शिक्षा क्षेत्र से जुड़ी कई विवादों के बीच आया है। मुख्यमंत्री का यह बयान राज्य के शिक्षकों के बीच एक मजबूत संदेश देता है कि ममता उनके साथ खड़ी हैं और उनकी नौकरी को बचाने के लिए वह पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं।

ममता बनर्जी निश्चित रूप से जेल जाएंगी : सुवेंदु

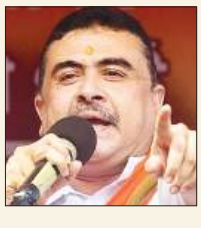

पश्चिम बंगाल में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी और भाजपा विधायकों ने राज्य सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद एसएससी शिक्षकों की नौकरी जाने के बाद वे मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि ममता बनर्जी को जेल जाना चाहिए। वह मुख्य लाभार्थी हैं। उनके भतीजे ने 700 करोड़ रुपये की रिश्वत ली। उन्होंने दावा किया कि पश्चिम बंगाल सरकार और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी उन 26000 लोगों के लिए जिम्मेदार हैं, जिन्होंने सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद अपनी नौकरी खो दी है। उनके भतीजे (अभिषेक बनर्जी) की इसमें बड़ी भूमिका है। इससे पहले शुभेंदु अधिकारी ने उच्चतम न्यायालय के आदेश के कारण नौकरी गंवाने वाले कुछ शिक्षकों से शनिवार को मुलाकात की और उन्हें कानूनी सहायता देने का वादा किया। नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि 2016 की भर्ती परीक्षा के इन 'बेदाग' योग्य उम्मीदवारों के सामने आई स्थिति के लिए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी जिम्मेदार हैं।

स्वामी 4 पीएम न्यूज़ नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।